RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

शिव आमंत्रण

वर्षः 4, अंकः 9 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | काकाकाक | हिन्दी (मासिक), - 2016 ,अक्टूबर सिरोही, पृष्ठः 6 , मूल्य : 7.50 रुपए

15 हजार बच्चों ने बांधे रक्षा सूत्र ...पेज - 2

परमात्मा ने मेरे स्वयं के पास भेजा था संदेशवाहक ...पेज - 3

अन्तर्आत्मा में दिव्य ज्योति जलाने का पर्व ...पेज - 4

आखिर कब मरेगा मन का रावण ...पेज - 5

आध्यात्म व विज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू ...पेज - 6

विश्व बन्धुत्व के लिए सद्भावना की जरूरत- दादी ...पेज - 6

रक्षाबंधन पर दादी का स्नेहिल आशीष पाकर खिल उठे चेहरे

शिव आमंत्रण ■ दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ब्रह्माकुमारीज संस्था के अतिरिक्त महासचिव बृजमोहन, युवा प्रभाग की राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर बीके चन्द्रिका तथा ओआरसी की निदेशिका बीके आशा ने प्रधानमंत्री आवास पर उनसे मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी की कुशलक्षेम पूछी। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारत तथा विश्व के 140 देशों में हुई सेवाओं की रिपोर्ट प्रस्तुत कर विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात बीके आशा ने प्रधानमंत्री को राखी बांधकर शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति भवन में भारत के राष्ट्रति प्रणव मुखर्जी से ब्रह्माकुमारीज संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने मुलाकात की। इस दौरान दादी ने राष्ट्रपति को रक्षाबन्धन का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए आन्तरिक विकास में राजयोग के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। इसे पश्चात स्वयं राष्ट्रपति ने दादी हृदयमोहिनी से राखी बंधवाई। इस अवसर पर बीके आशा, बीके बृजमोहन तथा बीके नीलू भी उपस्थित थी।

राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को राखी बांधतीं दादी गुलजारजी।

ओआरसी की निदेशिका बीके आशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रक्षा सूत्र बांधते

नेपाल की राष्ट्रपति विद्या भण्डारी को राखी बांधतीं बीके राज।

चिकित्सा प्रभाग | राजयोग की वैज्ञानिक पद्धतियों व उनके अनुप्रयोगों, परिणामों पर हुआ मंथन

राजयोग से होगा सर्वांगिण विकास-नायक

संबोधित करते मंत्री श्रीपाद नायक।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञानसरोवर अकादमी परिसर में चिकित्सा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के खुले सत्र में उपस्थित प्रतिभागी।

शिव आमंत्रण ■ माउण्ट आबू

केन्द्रीय आयुष मंत्री श्रीपद नायक ने कहा कि ईश्वर के बाद लोग डॉक्टर को ही भगवान मानते हैं इसलिए चिकित्सकों को मरीजों के मानसिक व सामाजिक स्वास्थ्य को तन्दरूस्ती प्रदान करने के लिए पहले स्वयं को अध्यात्म से सशक्त बनाना होगा।

नकारात्मक जीवनशैली से उत्पन्न बीमारियों का ईलाज करने को राजयोग की वैज्ञानिक पद्धति को समझना होगा। वे रविवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञानसरोवर अकादमी परिसर में चिकित्सा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के खुले सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विज्ञान के अनेकों अनुसंधान के बावजूद भी आयुर्वेद व योग का वजूद लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ब्रह्माकुमारी संस्था सकारात्मक स्वास्थ्य व मानवीय मूल्यों को लेकर समाज को बेहतर से बेहतर बनाने में जुटी हुई है। कई वर्षों से संगठन की गतिविधियों से समाज लाभान्वित हो रहा है। राजयोग पद्धति से अनेक प्रकार की तनावजन्य व्याधियों से निदान होता है। केवल सोच को सकारात्मक कर देने से ही स्वास्थ्य के बेहतर परिणाम शीघ्र अति शीघ्र सामने आते हैं।

आती है सकारात्मक ऊर्जा

ज्ञान सरोवर निदेशिका डॉ. निर्मला ने कहा कि केवल शरीर की बीमारी को ठीक करने से मनुष्य तन्दरूस्त नहीं होता बल्कि राजयोग के जरिए मन को शक्तिशाली बनाने की कला सीखने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह संचारित होता है। चिकित्सा प्रभाग अध्यक्ष व केंसर विशेषज्ञ डॉ. अशोक मेहता ने कहा कि क्रोध करना, व्यर्थ सोचना, अहम व वहम करने से बीमारियों का जन्म होता है, इसके लिए अपने आंतरिक मूल्यों को जागृत करने की जरूरत है।

वाइब्रेशन का असर

अवेकनिंग विद् ब्रह्माकुमारीज़ कार्यक्रम विशेषज्ञ बी के शिवानी बहन ने कहा कि डॉ. की मनोदशा के अनुसार ही मरीज की बीमारियों पर अंकुश लगता है। डॉ. के मन से निकलने वाले वायब्रेशन से मरीज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। जो चिकित्सक निष्काम भाव से मरीजों को तन्दरूस्ती प्रदान करते हैं मरीजों का विश्वास भी उन्हीं पर रहता है।

ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि शरीर को संचालित करने वाली आत्मा रूपी ऊर्जा की जानकारी होने से कई प्रकार की असाध्य व्याधियां मनुष्य को छू भी नहीं सकती हैं। प्रभाग सचिव डॉ. बनारसी लाल साह, राजयोग प्रशिक्षिका बी. के. सरिता राठी, बी के ध्यान सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

ओलंपिक में नारी शक्ति का जयघोष

खेलों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है राजयोग : सन्धू

शिव आमंत्रण, हैदराबाद। रियो ओलम्पिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली पीबी सन्धू के भारत लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर हैदराबाद की शांति सरोवर में भी पीबी सन्धु का सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मान किया गया। सिल्वर मेडल जीतने वाली पीबी संधू ने अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि कोई भी खेल हो परन्तु उसमें एकाग्रता बहुत महत्व रखता है। यह राजयोग से सम्भव हो सकता है। पीबी सन्धू ने काह कि रियो

रियो ओलम्पिक में सिल्वर मेडल प्राप्त पीवी सिंधू का सम्मान करते बीके कुलदीप।

विश्व के सबसे बडे गुलदस्ते से साक्षी मलिक सम्मानित

शिव आमंत्रण, मुंबई। भारत की ऑलिंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक को ब्रहमाकुमारीज के विलेपार्ले सेवाकेंद्र द्वारा विश्व का सबसे बडा गुलाब के फुलों का गुलदस्ता देकर सम्मानीत किया गया। वंडर बुक ऑफ रेकॉर्ड्स, इंटरनॅशनल मे इसको सम्मिलित किया गया। यह गुलदस्ता वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके क्रिना, बीके तपस्विनी, बीके दीपक हरके ने भेट किया। इस गुलदस्ते मे 1000 गुलाब के फूलों का उपयोग किया है तथा इसका वजन 25 किलो है। इसी

कार्यक्रम मे ऑलिंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक के हाथों से बीके दीपक हरके को विश्व की सबसे छोटी राखी

मदद

ब्रह्माकुमारीज से लोगों को राहत सामग्री

शिव आमंत्रण, इलाहाबाद । संगम नगरी इलाहाबाद में जीवनदायिनी गंगा और यमुना खतरे के निशान पर पहुंचकर अपना रौद्र रूप दिखाते हुए जबरदस्त तबाही मचा रही है। और एक चौथाई शहर व 50 से ज्यादा गांव को अपने आगोश में ले लिया है। ऐसे में सरकार द्वारा राहत शिविर लगाए गए और लोगों को रहने के साथ राहत सामग्री भी प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही ब्रह्माकुमारीज के सदस्यों ने भी लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास जारी रखा तथा कीटगंज सेवाकेंद्र द्वारा दो दिवसीय राहत कार्य किया गया जिसके अन्तर्गत लगभग 400 से ज्यादा बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन वितरित किया गया। इस मौके पर बीके सदस्यों समेत संस्था से जुड़े अन्य लोगों ने अपना योगदान दिया। ऐसे ही वाराणसी में भीषण बाढ़ से आयी तबाही से प्रभावित लोगों की मदद के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्था वाराणसी की श्रीरामनगर कॉलोनी सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके सरोज, बीके चन्दा तथा बीके ओएन उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में संस्था के सदस्यों ने लोगों को राहत सामग्री प्रदान की।

19 साल की मारिया ने यूनाईटेड नेशन में दिया ईश्वरीय संदेश

शिव आमंत्रण, न्यूयॉर्क। यूएसए में न्यूयॉर्क के यूनाइटेड नेशन में यूएन इंटरनेशनल डे ऑफ यूथ के अवसर पर कोलंबिया की 19 साल की बीके मारिया पौला ने एस्से पढ़ा जिसमें ब्रह्माकुमारीज संस्थान की शिक्षाओं और आध्यात्मिक ज्ञान को अपने शब्दो में सभी के समक्ष रखा। उन्होने कहा कि शांति व प्रेम का सागर, सबका मात-पिता और सखा परमात्मा है, उनके साथ संबंध जोड़ने की विधि ब्रह्माकुमारीज द्वारा सिखाए जाने वाले राजयोग मेडिटेशन में हमने सीखी है। राजयोग से हम भगवान के साथ गहरा अनुभव कर सकते है। राजयोग के अभ्यास द्वारा मै कौन हूॅ। इस दुनिया मे मेरीक्या भूमिका है यह मुझे समझ मे आया। आध्यात्मिकता ने मुझे अपने अंदर झांकना सिखाया और उसके सागर जैसे प्यार मे डूबना सिखाया। प्यार ही परिवर्तन का रास्ता है और बहुत सारे सवालों का जवाब है। द इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन अनलिमिटेड लव और यूएन.एफपीए द्वारा आयोजित यूथ

दादी प्रकाशमणी स्मृति दिन | देशभर से आए 3000 धावकों ने बारिश की परवाह नहीं करते हुए उत्साह से की प्रतिभागिता

राष्ट्रीय मिनी मैराथन से विश्व बन्धुत्व की बही बयार

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड़

ब्रह्माकुमारीज संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की नौंवी पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में दादी प्रकाशमणि राष्ट्रीय मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें करीब तीन हजार लोगों ने भाग लिया। जिसमें बच्चों से लेकर हर उम्र के लोग शामिल हुए। हालांकि प्रात: काल बारिश का दौर प्रारम्भ हो गया परन्तु धावकों के पैर को बारिश भी नहीं रोक पायी थी। बड़े ही उमंग उत्साह से धावकों ने अपनी मंजिल पूरी की। युवाओं के लिए दस किमी तथा बच्चों के लिए पांच किमी के लिए दौड़ निर्धारित की गयी थी।

इन्होनें ने किया उदघाटन: इस मिनी मैराथन का उदघाटन बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष मनन चतुर्वेदी, जिला प्रमुख पायल परसराम पुरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष लुम्बाराम चौधरी, ब्रह्माकुमारीज संस्थान की कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी, सूचना निदेशक बीके करूणा, यूआईटी चेयमरैन सुरेश कोठारी, प्रबन्धक बीके भूपाल, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, माउण्ट आबू पालिका चेयरमैन सुरेश थिंगर, सदर थानाधिकारी भंवर लाल, बीके मोहन सिंघल आदि ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन का आगाज किया। यह दौड़ दस किमी तथा पांच किमी के लिए आयोजित की गयी थी। जिसमें महिला एवं पुरूष तथा बच्चे शामिल हुए। दस किमी दौड़ में प्रथम विजेता माउण्ट आबू के विजय लोबानिया, द्वितीय सुनिल लोबानिया, तृतीय अरविन्द मोकासी, महिलाओं में गांधीनगर अहमदाबाद की चिन्दरी, द्वितीय सपना कुमारी तथा तृतीय उर्मिला विजयी हुई। वहीं पांच किमी में प्रथम बच्चों में आकाश प्रथम, राकेश सिंह द्वितीय तथा विक्रम तृतीय विजेता रहे। लड़कियों में प्रथम अमीशा, द्वितीय जशोदा तथा तृतीय संतोष कुमारी विजयी घोषित की गयी।

दादी प्रकाशमणि राष्ट्रीय मिनी मैराथन का उद्घाटन करते बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष मनन चतुर्वेदी, जिला प्रमुख पायल परसराम पुरिया व अन्य तथा मैराथन में प्रतिभागी।

बारिश में बच्चों औरधावकों के उत्साह को देखकर लगता है कि लोग विश्व बन्धुत्व के लिए कितना गम्भीर है। पूर्व प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य तिथि पर यह आयोजन लोगों में निश्चित तौर पर सदभावना का विकास करेगा।
- मनन चतुर्वेदी, बाल संरक्षण आयोग, जयपुर

सिरोही जिले से दादी ने पूरे विश्व में ऐसा कार्य किया जिससे पूरे विश्व में जिले का नाम रोशन होता है। उनके पुण्य तिथि पर आयोजित इस मैराथन से लोगों को अच्छी प्रेरणा मिलेगी।
- पायल परसराम पुरिया, जिला प्रमुख, सिरोही

दादी का जीवन महान था। उन्होंने ना केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में आध्यात्मिक रोशनी फैलायी। इस मैराथन की जरिये इसे लोगों तक फैलाना अच्छा प्रयास है।
- लुम्बाराम चौधरी, जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, सिरोही

ब'ों और युवाओं का उत्साह यह साबित करता है कि लो' अपने स्वास्थ्य और सदभावना के लिए कितना उत्सुक है। इतने लोगों का शामिल होना इसका प्रमाण है।
- सुरेश कोठारी, चेयरमैन, यूआईटी, माउण्ट आबू

रक्षा बंधन विशेष

मंगलोर : भाजप के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को रक्षासूत्र बांधते हुए मंगलोर सेवाकेंद्र प्रभारी विश्वेश्वरी।

अहमदनगर सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके निर्मला समाजसेवक अण्णा हजारे को रक्षासूत्र बांधते हुए।

ऊना हिमाचल प्रदेश में विधायक वीरेन्द्र कंवर को बीके हरप्रीत राखी बांधते हुए।

अमृतसर के लॉरेंस रोड सेवाकेंद्र की राजयोग शिक्षिका बीके रश्मि ने बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट समेत कई जवानों को राखी बांधी।

मुंबई की पवई सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जानकी ने हीरानंदानी ग्रुप के प्रबंध निदेशक निरंजन हीरानंदानी से मुलाकात कर ईश्वरीय संदेश

अहमदाबाद के महापौर गुत्तम शाह शिव आमंत्रण पढते हुए।

फर्रूखाबाद में भ्राता सदाकत हुसैन सेतली को राखी बांधते हुए राजयोगिनी बीके मंजू, साथ में कुंवर धीरेंद्रप्रतापसिंह, पप्पन मियां

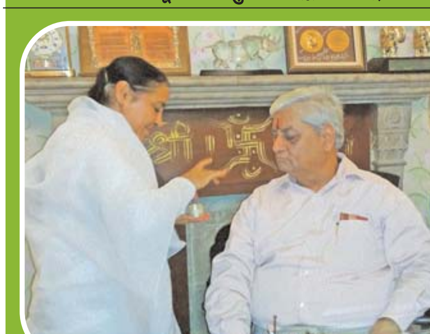

जयपुर : ब्रह्माकुमारीज की जयपुर सबजोन प्रभारी बीके सुषमा और बीके चंद्रकला ने राजस्थान पत्रिका के मुख्य संपादक

दिल्ली : रक्षाबंधन के अवसर पर आत्मस्मृति का तिलक लगाती करोलबाग सेवाकेंद्र की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके

विजयवाड़ा : आर्ट ऑफ लिविंग के गुरू श्रीश्री रविशंकर से मुलाकात कर रक्षा सूत्र बांधतीं विजयवाड़ा सेवा केंद्र प्रभारी बीके शांता।

15 हजार बच्चों को बांधा रक्षा सूत्र

अहमदनगर में स्कूल के 15 हजार से अधिक बच्चों को राखी बांध कर ब्रह्मा कुमारी बहनों ने बनाया नया विश्व रिकॉर्ड।

ज्ञान सरोवर में राजनीतिक सम्मेलन

गरीबी मिटाने के लिए भेदभाव की परिपाटी को समाप्त करना होगा

पुरातन संस्कृति को अपनाने की जरूरत-गहलोत

शिव आमंत्रण ■ माउंटआबू

सम्मेलन का उद्घाटन करते केन्द्रीय सामाजिक न्याय, अधिकारिता मंत्री थावरचंद गेहलोत व अन्य अतिथि।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय, अधिकारिता मंत्री थावरचंद गेहलोत ने कहा कि किसी भी तरह की बुराईयों से बचने के लिए भारतीय पुरातन संस्कृति को फिर से अपनाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। यह बात उन्होंने ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में संगठन के राजनीतिक प्रभाग की ओर से आयोजित सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति का सही व समुचित ज्ञान हो उसके लिए प्राथमिक स्तर पर ही पाठयक्रमों में संस्कृति की सही जानकारी दिए जाने पर बल देते हुए देश व संस्कृति की रक्षा के लिए त्याग, तपस्या व बलिदान देने वाले महाराणा प्रताप जैसे अनेक महापुरुषों की जीवनगाथा से भी आने वाली पीढ़ी को अवगत कराना समय व परिस्थितियों की बलवती मांग है। राजनीतिक प्रभाग अध्यक्ष बीके बृजमोहन आनंद ने कहा कि निर्भीकता व निष्पक्षता जैसे मूलगुण अपनाने की परम आवश्यकता है। मानवीय दृष्टिकोण संकुचित नहीं होना चाहिए। सामाजिक सरोकारों पर व्यवसायिकता को हावी नहीं होने दिया जाना चाहिए।

ज्ञान सरोवर निदेशिका डॉ. निर्मला ने कहा कि जनकल्याण करने वाले राजनेताओं की मानसिकता परोपकारी भावनाओं से भरपूर होनी चाहिए। दूसरों के दु:ख दर्द को दूर करने वाले नेता ही सच्चे अर्थों में नेता कहे जा सकते हैं। बिहार की पूर्व मंत्री श्रीमती सीता सिन्हा, खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बी. के शशि बहन, प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके ऊषा बहन आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रहित में त्याग अत्यंत आवश्यक है। बिना त्याग के जनसेवा नहीं हो सकती है। गरीबी को मिटाने के लिए सभी प्रकार के भेदभाव की परिपाटी को समाप्त करना होगा। निःस्वार्थ भाव से देश की सेवा करने वाले ही सच्चे राजनीतिज्ञ हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का प्रयास सराहनीय है।

सुब्रमह्यण्यम स्वामी, राज्यसभा सदस्य तथा वरिष्ठ भाजपा नेता, दिल्ली

विकार मुक्त समाज जरूरी

सांसद राममोहन नायडु की दादी गुलजार से मुलाकात

शिव आमंत्रण ■ गुरूग्राम

गुरूग्राम के ओआरसी में श्रीकाकुलम - आंध्र प्रदेश के सांसद राममोहन नायडु किंजरपु ने शिरकत की और संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी गुलजार से मुलाकात की। इस अवसर पर राजयोगिनी दादी गुलजार ने उन्हें ईश्वरीय सौगात तथा प्रसाद भेंट कर अपनी शुभकामनाएं दी। वहीं ओआरसी की निदेशिका बीके आशा ने उन्हें रक्षासूत्र बांधा और विषय विकारों से मुक्त श्रेष्ठ समाज बनाने की शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही सांसद राममोहन नायडु किंजरपु ने संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके ब्रजमोहन से भी मुलाकात कर ईश्वरीय ज्ञान चर्चा की जहां बीके ब्रजमोहन ने प्यूरिटी भेंटकर ईश्वरीय ज्ञान चर्चा की।

पदयात्रा भी निकाली

सौंवा मास शिवानुभव सेलिब्रेशन

शिव आमंत्रण ■ विजयपुरा

कर्नाटक के विजयपुरा गच्चिनकट्टी कॉलोनी के सिद्धेश्वर मंदिर में सौंवा मास शिवानुभव सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारीज को भी आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर बीके सरोजा, जिला कन्नड साहित्य परिषद के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन येंदीगिरी, समान मानास्कर सेवा संस्था के अध्यक्ष एस डी मदनशेट्टी समेत कई अन्य संत मौजूद थे। इस मौके पर बीके सरोजा ने शिव और शंकर के अंतर को स्पष्ट बताया और परमात्मा की अनुभति करने के लिए परमात्म ज्ञान का होना आवश्यक बताया। इस अवसर पर शरण चिंतन नामक पुस्तक भी लाँच की गई तथा बीके सरोजा ने ध्वजारोहण किया। अंत में पदयात्रा भी निकाली गई जिसका शुभारंभ

असंध सेवा केंद्र द्वारा क्रॉस कंट्री रेस

शिव आमंत्रण ■ असंध

क्रॉस कंट्री रेस के विजेता को शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते अतिथि व उपस्थित बीके बहनें।

हरियाणा के असंध सेवाकेंद्र द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालयों के बच्चों के साथ 30 वर्ष तक के पुरूषों व महिलाओं के लिए भी रेस का आयोजन किया गया। इस रेस का शुभारंभ शिव ध्वज व हरी झंडी दिखाकर किया गया।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सीपीएस सरदार बक्शीश सिंह विर्क, करनाल सेक्टर 7 सेवाकेंद्र प्रभारी बीके प्रेम, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके उषा ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर बच्चों से जीवन को हार जीत का खेल बताते हुए जीवन में सफलता हासिल करने व असफल होने पर उससे सीख लेने की प्रेरणा दी। अंत में विजयी बच्चों को शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों को बीके प्रेम ने ईश्वरीय सौगात भेंट की।

प्रशिक्षण — राजयोग मेडिटेशन से बढ़ेगी जीवन में स्थिरता

सीआरपीएफ जवानों ने सीखे तनावमुक्ति के गुर

शिव आमंत्रण ■ नीमच

सीआरपीएफ जवानों के सामने बोलते राजीव रंजन कुमार।

मध्यप्रदेश नीमच में सीआरपीएफ कैंप के अधिकारियों एवं जवानों के लिए तनावमुक्त जीवन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में डीआईजी राजीव रंजन कुमार, महिला वेलफेयर सेंटर की संरक्षक मोनालिका कुमार, कमांडेंट पंकज कुमार, सबजोन निदेशक बीके सुरेंद्र, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सविता समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर बीके सदस्यों ने बताया कि अविश्वास, धर्मभेद, रंगभेद एवं सीमाओं के बंटवारे ने सभी को असुरक्षित एवं तनावग्रस्त बना दिया। इसलिए तनावमुक्त बनने के लिए राजयोग मेडिटेशन को जीवन में अपनाना होगा। ऐसे ही जेल में भी कैदियों व स्टाफ के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बीके सदस्यों ने कहा, कि यदि जेल में रहकर भी वह आत्मज्ञान व राजयोग तपस्या को अपनाकर अपना आचरण सुधार ले तो जीवन सुख शांति मय बनाकर समाज के आगे एक आदर्श प्रस्तुत कर सकते है। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक आर पी वसुनिया भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी कैदी भाईयों को राजयोग का अभ्यास कराकर शांति की अनुभूति कराई। इसके साथ ही सभी ने प्रेमपूर्वक व्यवहार करने की प्रतिज्ञा भी की।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

बिलासपुर मे तीन फीट की राखी

शिव आमंत्रण, बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर के राजा रणजीत सिंह सभागार में भारत रक्षा पर्व मनाया गया। जिसमें देशवासियों की सुरक्षा में अपनी जान तक लगा देने वाले सरहद पार फौजी भाईयों के लिए रक्षाबंधन के पर्व पर दैनिक नई दुनिया समाचार पत्र द्वारा देश भर की बहनों की ओर से राखी भेजी गई। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज को भी आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अमर अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक विवेकानंद झा, नई दुनिया के सीईओ सुनील गुप्ता, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके स्वाती बीके संतोषी मुख्य रूप से उपस्थित थी। बीके बहनों द्वारा फौजी भाईयों के लिए विशेष रूप से 3 फीट की राखी बनाई गई। जो विशेष आर्कषण का केंद्र रही। इस अवसर पर हजारों बच्चे व युवा उपस्थित थे।

सशस्त्र प्रहरियों को बांधे रक्षा सूत्र

शिव आमंत्रण, राजविराज। ब्रह्माकुमारी राजयोग सेवाकेंद्र, राजविराज, नेपाल ने सशस्त्र प्रहरी बल सीमा सुरक्षा कार्यालय के एस. पी. द्रमन थापा समेत सशस्त्र प्रहरी जवान, कुनौली, बिहार मे सीमा सुरक्षा बल के असिस्टंट कमांडेट प्रणव शुक्ला समेत एस. एस.बी. जवान, बाल कल्याण गृह सपतरी मे अनाथ बाल बालिकायें, गजेन्द्र नारायण सिंह सगरमाथा अंचल अस्पताल मे भर्ती हुए मरीज, सप्तरी जिला कारागार मे अवस्थित कैदियों, सगरमाथा अंचल प्रहरी गुल्म के प्रहरी जवानों ब्रह्माकुमारी भगवती बहन ने राखी बांधी। इसी प्रकार सेवाकेंद्र मे भी प्रमुख जिला अधिकारी बलदेव गौतम समेत विविध व्यक्ति यों ने राखी बांधी।

बुराई छोड़ें, सच्ची राखी मनाएं

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। नई दिल्ली के तिहाड़ जेल नम्बर 7 में भी रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन कर ब्रह्माकुमारीज को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर ओम विहार सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विमला, विपिन गार्डन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जानकी, मंगोल पुरी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पूनम ने राखी पर सभी कैदी भाईयों को बताया कि हमें आज के दिन अपने अंदर की किसी भी एक बुराई को छोड़कर सच्ची राखी मनानी है। इसके साथ ही सभी को अपनी सबसे बड़ी कमी को छोड़ने का संकल्प कराकर राखी बांधी गई।

हृदय रोग विशेषज्ञ प्रसाद को बांधी राखी

शिव आमंत्रण, दिल्ली। दिल्ली के लोधी रोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गिरिजा ने हृदय रोग विशेषज्ञ पद्मश्री जगदीश प्रसाद को पवित्रता का प्रतीक बताते हुए रक्षासूत्र बांधा। इस मौके पर तनाव प्रबंधन विशेषज्ञ बीके पीयूष भी उपस्थित थे।

निरंजन हीरा नंदानी को बांधी राखी

शिव आमंत्रण, मुंबई। मुंबई के पवई सेवाकेंद्र द्वारा शिपिंग कॉरपोरेशन मैरीटाइम इंस्टीट्यूट, पवई पुलिस स्टेशन और एस बीआई बैंक में राखी बांधी गई। जिसके अन्तर्गत बीके जानकी ने कैप्टन के वी राव, इंस्पेक्टर इंचार्ज महादेश्वर, बैंक के डीजीएम त्रिपाठी समेत अनेक कर्मचारियों को राखी बांधकर राजयोग द्वारा बुराई को समाप्त करने का संदेश दिया। इसके साथ ही निरंजन हीरा नंदानी को भी राखी बांधी।

पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में रक्षाबंधन

शिव आमंत्रण, ग्वालियर। म.प्र. ग्वालियर के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर ग्वालियर महाराजपुरा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ज्योति, बीके आदर्श, बीके मधु मुख्य रूप से शामिल रहीं। कार्यक्रम में पांच सौ जवान शामील हुए थे।

महापौर को बांधा रक्षासूत्र

शिव आमंत्रण, नवीं मुंबई। नवीं मुंबई महानगर पालिका के महासभा में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर वाशी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शीला ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताकर महापौर सुधाकर सोनावने को रक्षासूत्र बांधा।

एसपी को रक्षासूत्र

शिव आमंत्रण, पणजी। गोवा के पणजी सेवाकेंद्र की बीके सुरेखा और बीके चंद्रकांता ने क्राइम ब्रांच आईपीएस एस पी कार्तिक कश्यप, स्पेशल ब्रांच की आईपीएस एस पी प्रियंका कश्यप से मुलाकात की और राखी बांधकर शुभकामनाएं दी तथा जीवन को सुखमय बनाने के लिए राजयोग को दिनचर्या में शामिल करने का आहवान किया।

संपादकीय

बीके करूणा

लायें मन में बैठा रावण, तभी दूर होगा अंधेरा

नवरात्रि अर्थात नौ दिनों की रात्रि जिसमें शक्ति की देवी दुर्गा के विविध रूपों की पूजा होती है। देवी को प्रसन्न करने के लिए हम सभी नौ दिनों तक जागरण, व्रत और उपवास रखते है। निश्चित तौर पर यह दौर एक आध्यात्मिक उर्जा प्रदान करता है। परन्तु हमें उतनी प्राप्ति नहीं होती जितनी होनी चाहिए। वजह कभी भी हमने ढूढ़ने की कोशिश नहीं की। क्योंकि हम हमेशा या तो परम्परागत रीति से करके पूरा कर लेना चाहते है या तो स्वार्थवश करते हैं। फिर जैसी भावना होती है उसी प्रकार की प्राप्ति और उसका रिजल्ट मिलता है। वास्तव में जो दुर्गुणों का नाश करने ऐसी शक्ति का नाम है दुर्गा। क्या हम लोग कभी इस पर विचार करते हैं कि इस व्रत से हमारे अन्दर के दुर्गुण मिट जाये और शक्ति की देवी दुर्गा की कृपा हो जाये। यही एक बड़ा फर्क है। इसलिए हमें इस पर ध्यान देना होगा कि हम दुर्गुणों को समाप्त करने की पहल करते हुए शक्ति की देवी दुर्गा का अराधना करेंगे। जब हमारे अन्दर से दुर्गुण अर्थात आसुरी प्रवृति वाले रावण को मारेंगे तब इस दुनिया से आसुरी सम्राज्य का सफाया होगा। यही कारण है कि ये पर्व एक दूसरे से समन्वय रखते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। क्योंकि रावण कोई दस शीश वाला नहीं बल्कि मन के अन्दर छिपे बैठे बुराईयों का प्रतीक है। रहा सवाल दीपावली का तो इसके बाद आने वाली दीपावली अर्थात खुशहाली, समृद्धि का पर्व है। निश्चित तौर पर हमारे घर में विराजमान होगी लक्ष्मी और आप सर्व वैभवों से सम्पन्न होगें। इसके लिए जरूरी है कि आत्म ज्योति जगाकर अज्ञान अंधकार मिटायें।

भाईचारे और परस्पर स्नेह को बढ़ावा देता है राजयोग

मेरी कलम से

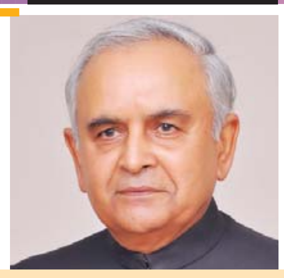
आलेख मिजोरम के राज्यपाल पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल निर्भय शर्मा से बातचीत पर आधारित है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की कार्य-शैली नि:संदेह अद्भुत और अद्वितीय है। इस विश्वव्यापी आध्यात्मिक संगठन की स्वच्छता, सौहार्द्रता, पवित्रा, सरलता, दिव्यता और निर्मल स्नेह इत्यादि गुण जीवन के प्रेरणास्रोत है। मैं ब्रह्माकुमारीज संस्था से 1950 के दशक में परिचित हुआ, जब मेरे जी स्वर्गीय भाई रविदत्त जी अलीगढ़ उत्तर प्रदेश में हमसे मिलने आए थे। वे हमारे यहाँ एक ही दिन रूके थे, यद्यपि मैं उन दिनों स्कूली छात्र था। मुझे ये समझ में आ गया था कि वे मेरे अभिभावको को ब्रह्माकुमारीज संस्था के विषय समझाने का प्रयास कर रहे थे। विशेष रूप से मेरी माता जी ने साप्ताहिक मुरली पत्रिका का वाचन और कुछ समय ध्यान कर उनके विचारों को अपने दैनिक जीवन में अपनाया मेरे पिताजी एक सरकारी कर्मचारी थे। उनका स्थानान्तरण होता रहता था। इस कारण हम लोंगों का ब्रह्माकुमारी संस्थान से लगातार सम्बन्ध नहीं रह पाया था। बहुत समय बाद सन् 1992 में मुझे माता जी के साथ इस पावन भूमि पर आने का अवसर प्राप्त हुआ।

मैं बचपन से ही इस स्थान के विषय में सुना था। और मेरे मामा जी इस संस्था के लिय पूर्ण समर्पित थे। उनसे मिलने का सुअवसर भी हमे प्राप्त हुआ। यहाँ का संवाद परिचर्चा काफी उपयोगी और प्रेरणास्पद रही भरतीय सेना के 40 वर्ष के कार्यकाल तत्पश्चात दस वर्ष कि जन सेवा के दौरान मेरा संस्था से समय-समय पर संपर्क रहा में उनकी समाज के प्रति नि:स्वार्थ प्रतिबद्धता के लिए मैं दिल से प्रशंसा करता हूँ। अरूणाचल प्रदेश के बाद अब मिजोरम के राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान स्थानीय चुनौतियों के बावजूद आपका संगठन जो वहाँ सद्कार्य कर रहा है मुझे उनको जानने का मौका मिला। इनकी आध्यात्मिक शिक्षाएँ जो दैनिक जीवन में मन को शांति के साथ जोड़ती हैं। वे स्तुत्य है मैं और मेरी पत्नी नियमित रूप से प्रात: पीस ऑफ माइंड चैनल से अपनी दिन चर्या प्रारम्भ करते है। वर्तमान समय भारत पूरे विश्व में विज्ञान, उद्योग, संचार, व्यापार इत्यादि माध्यमों द्वारा आर्थिक विकास की ओर अग्रसर है और एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। यह हम सबके लिए शुभ संकेत है। साथ ही साथ आज विश्व विभिन्न संकटो से गुजर रहा है। देश-विदेश में आतंकवाद, भारत में जातिवाद, धर्मभेद और पक्षपात आदि समस्याएँ तेजी से बढ़ रही है। इसके अलावा सामाजिक शोषण पर्यावरण प्रदूषण, मानसिक एवं शारीरिक रोग भी बढ़ रहे है। समस्याओं के समाधान एवं विकास की ओर ने जाने के लिए समर्पण भाव और सेवा भाव की अत्यन्त

शांति में है व्यापक शक्ति

शान्ति स्वयं में एक व्यापक शक्ति हैं और व्यापक शक्ति को प्राप्त करने के लिए हम उतने ही व्यापक प्रयास करने की आवश्यकता हैं क्योंकि शांति की परिभाषा को ठीक ढंग से न समझने कि भयंकर भुल के कारण ही आज अनेक प्रकार की घटनाएँ घट रही हैं। हमारी धार्मिक सहिष्णुता एवं साम्प्रदायिक एकता को यदि खतरा हैं तो मात्र शान्ति और सदभावना के महत्व को न समझने के कारण ही हैं। आज जनसामान्य को शांति की यथार्थ परिभाष को समझाने की नितान्त आवश्यकता हैं।

मजबूत होती है भाईचारे की नींव

योग विद्या से परस्पर स्नेह सहयोग भाईचारे की नीव मजबूत होती है, हमारी भारतीय सभ्यता जिस पर विद्वानों का मत है, कि वह 5 हजार वर्ष से चली आ रही है जिसमें देवी-देवताओं का वर्णन है। उस सभ्यता पर हमें गर्व है और स्वयं पर भी गर्व है। क्योकि हम उसी उच्च और महान सभ्यता के वारिस है। प्रचीन काल से ही भक्ति योग, कर्म योग, ज्ञान योग, सहज योग, बुद्धि योग, इत्यादि भारतीय दर्शन में प्रचलित है परन्तु गीता में सहज राजयोग को सर्वश्रेष्ठ योग कहा गया है तथा हमारे पुरातन चिन्तकों ने भी साधना के लिए महत्वपूर्ण माना है। राजयोग एक मनोविज्ञान हैं जो मनव के अंतनिहित शक्तियों के स्रोत को व्यर्थ जाने से रोकते हैं स्वंय के कर्मेंद्रियों का नियन्ता बनना सिखाता हैं। राजयोग मनुष्य को संयम और नियम का जीवन जीना सिखाते है।

भागीरथ कार्य सराहनीय ही नहीं अपितु अनुकरणीय भी

मैं अत्यन्त प्रसन्नता महसूस करता हूँ कि इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा 140 देशों में 9000 से अधिक सेवा केन्द्रों के माध्यम से आध्यात्मिक नैतिक, चारित्रिक उत्थान एवं मानवीय मूल्यों का कार्य हो रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह भारत को एक महान राष्ट्र सम्पन्न और आदर्श राष्ट्र बनाने में पूर्ण सहभागी बनेंगे। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय उस महान सभ्यता को लोगो तक पहुँचाकर उसका अनुगामी बनाने के लिए जनता को प्रेरित करता है यह भागीरथ कार्य सराहनीय ही नहीं अपितु अनुकरणीय भी है। इस संस्थान को विश्व शान्ति एवं मानवीय एकता के क्षेत्र में किये गये सराहनीय कार्य के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति पुरूस्कार देकर सम्मानित किया

बाबा ने गुलाब का फूल दिया, जैसे दादी ने मेरे सिर पर लगाया, मेरे अन्दर शक्ति का संचार हुआ

परमात्मा ने स्वयं मेरे पास भेजा था संदेशवाहक

शख्सियत

बीके सुरेन्द्र, राजयोगी हैं व नीमच सेवा केन्द्र के प्रभारी हैं

बचपन से पारिवारिक जीवन में मुझे घुटन सी महसूस होती थी, लगता था जीवन में कुछ है ही नहीं। परन्तु बाल्यकाल होने के कारण कुछ भी समझ में नहीं आता था।

जब मैं 14 वर्ष का हुआ तो स्वयं परमात्मा ने मेरे पास अपना परिचय देने के लिए एक संदेशवाहक भेजा था। यह तब मुझे मालूम पड़ा जब मैंने परमात्मा शिव के माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा बाबा को पत्र लिखा। यह घटना राजयोगी बीके मेहरचन्द जीवन की। जानिये इनके जीवन की विशेष अनुभव। शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत।

जीवन में हमेशा महसूस होता था खालीपन

हरियाणा के छोटे से हन्तरी गाँव में जन्में मेहरचन्द के जीवन का बचपन गाँव में ही बीता। बाल्यकाल में इनकी पढ़ाई गाँव में ही हुई। परन्तु बचपन से ही इनके जीवन में हमेशा एक सत्य की खोज रहती थी। मन पारिवारिक जीवन में बिल्कुल नहीं लगता था। माता पिता का सम्मान करना और पारिवारिक स्थितियों के हिसाब से रहना इनके जीवन की विशेषता थी। चार भाई तथा बहनों में सबसे बड़े होने के नाते बीके मेहचरन्द से परिवार का विशेष लगाव था। उनके माता-पिता धार्मिक गतिविधियों में विशेष रूचि रखते थे। इतना सब होने के बावजूद भी इनके जीवन में हमेशा खालीपन महसूस होता था तथा परिवारिक जीवन के दायित्वों की इच्छा नहीं होती थी।

सोचता था सन्यासी बनूंगा

मेरा स्वभाव बचपन से ही वैरागी तरह का था। जब मैं महापुरूषों जैसे गौतम बुद्ध महावीर स्वामी आदि की कहानिया पढ़ता तो मन में आता था कि मैं मुझे सन्यासी बनना है। मन में हमेशा चलता था कि आखिर सोचता था कि भगवान कब आयेगा। क्योंकि समाज और लोगों में होने वाली घटनाओं से मन दुखी हो जाता था।

लगता था इन समस्याओं का समाधान परमात्मा क्यों नहीं कर देता। बहुत सारे सवाल मन के आगे अंधकार की भाति छा जाते थे। और एक दिन आया जब आखिरकार मुझे भगवान मिल ही गया।

14 वर्ष की उम्र में परमात्मा ने भेजा संदेश वाहक

प्रारम्भिक शिक्षा के बाद हायर सेकेण्डरी एजुकेशन के लिए केसरी अम्बाला स्कूल में दाखिला हो गया। 1964 में जब मैं हायर सेकेण्डरी में पढ़ाई कर रहा था तो एक अध्यापक शास्त्री जी ईश्वरीय ज्ञान की बातें कभी कभी किया करते थे। एक दिन मैने उनसे पूछा कि क्या सचमुच भगवान आया है। तो उन्होंने कहा कि हाँ, तब मेरी और इच्छा बढ़ गयी जानने की। फिर मैंने ब्रह्माबाबा को पत्र लिखा कि क्या सचमुच भगवान आया है आप कौन हैं। तब उन्होंने कहा कि इसलिए तो शास्त्री को तुम्हारे पास भेजा था कि बताने के लिए। उस दिन से निश्चय बैठ गया और मैने यह सोच लिया कि अब परमात्मा का ज्ञान लेकर ही रहूंगा।

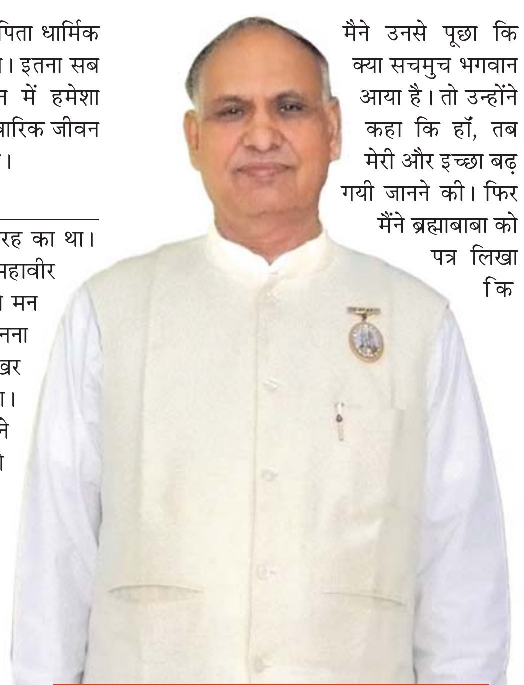

सबको मिले ईश्वर का सही ज्ञान

आज हमें गर्व है कि बाबा के निर्देश में करनाल, असन्ध के आस-पास के क्षेत्रों में ईश्वरीय सेवाओं के द्वारा हजारों लाखों लोगों को ईश्वरीय ज्ञान मिला है। बड़ी संख्या में लोग अपने जीवन को परमात्मा के उपर सौंपकर अपने जीवन को सुखी और आनन्दायी बना रहे हैं। बस मेरे मन में हमेशा यही रहता है कि जितने में भी संसार में लोग है उन सभी को परमात्मा के आने का संदेश मिले। क्योंकि हर कोई परमात्मा का बच्चा है और उसका अधिकार है। जैसे मेरा जीवन सुखी और आनन्दायी है वैसे ही दूसरों का भी जीवन सुख शांति से भरपूर हो।

शादी के दबाव से छोड़नी पड़ी पढ़ाई

मेरी पिताजी से सीधी बात नहीं होती थी। यदि कोई बात भी करना होता तो दूसरों के द्वारा ही होता था। परिवार में बड़ा होने के कारण बचपन में ही शादी के लिए परिवार से दबाव बढ़ने लगा, क्योंकि उन दिनों बचपन में ही शादी हो जाया करती थी।

जब मैने स्वीकार नहीं की तो पिताजी समझ गये कि ये तो मानने वाला नहीं। इसके पश्चात मेरे से छोटे भाई बहनों की शादी प्रारम्भ हो गयी। परन्तु हमेशा दबाव बना रहा। इसके पश्चात हमने पढ़ाई छोड़कर करनला आ गया। ताकि अपने जीवन के लिए आगे कुछ कर सकूँ।

बाबा ने कहा आओ मिलकर जाओ

संयोग ऐसा था कि मुझे नहीं लगा ब्रह्मा बाबा इतना जल्दी इस दुनिया से अव्यक्त हो जायेंगे। बाबा का एक बार पत्र आया कि बच्चे आओ मिलकर जाओ। परन्तु अपरिहार्य कारणों से मैं बाबा से साकार में नहीं मिल पाया। केवल पत्रों से ही बात होती थी। अन्तत: बाबा ने सन् 1969 में अपने नश्वर शरीर का त्याग कर दिया। मुझे लगा कि जीवन का कुछ अमूल्य क्षण खो दिया। फिर हमने देरी नहीं कि और मैं पहली बार मुलाकात अव्यक्त बापदादा से 19970 में ही हुई। अब तो ब्रह्मा बाबा और शिव बाबा दोनो की ही दादी गुलजार के तन में उपस्थिति थी। जैसे ही मैं बाबा के पास गया तो बाबा मुझे पहले से ही जानते थे। फिर बाबा ने मुझे अकेले आधा घंटा समय दिया हमारी और बाबा की बात हुई।

और मिल गई नौकरी

करनाल आने के बाद 21 वर्ष की उम्र में मुझे पहले फायनेन्स में नौकरी मिल गयी। इसके साथ ही मेरा संस्था से लगातार जुड़ाव गहरा होता गया। इसके बाद मुझे हरियाणा सरकार में नौकरी मिल गयी। फिर मेरा रूझान ईश्वरीय सेवाओं में बढ़ने लगा। जितना भी समय मिलता बाबा के निर्देशानुसार ईश्वरीय सेवाओं में समय ब्यतीत होने लगा। इसके साथ ही मेरी भी इच्छा दिनों दिन और जुड़ने की बढ़ती गयी। सेवा और नौकरी बस यही जीवन का लक्ष्य हो गया और मैं लगातार इस क्षेत्र में आगे बढ़ता रहा।

लगा ही नहीं बाबा इस दुनिया में नहीं है

बात तो परमात्मा शिव से हुई परन्तु ब्रह्माबाबा की सूक्ष्म उपस्थिति ने बिल्कुल एहसास नही होने दिया कि बाबा इस दुनिया में नहीं है।

फिर बाबा ने नौकरी के लिए मना किया और उसके बाद मैने नौकरी छोड़ी दी और करनाल सेंटर पर रहने लगा। बाबा की सेवा में लगकर अनेक प्रकार सेवाए की बहुत से सेंटर और गीतापाठशलायें भी खोली।

जल्दी ही यूस और कनाडा में परमात्म ज्ञान का डंका

परमात्मा का ज्ञान हर किसी के लिए है। चाहे वह भारत में हो या दुनिया के किसी भी कोने में। परमात्मा अपने बच्चों को ईश्वरीय संदेश देने के लिए विविध प्रकार के संसाधनों और माध्यमों का आधार बनाता है। इसी तरह का एक और परमात्मा की कृपा हुई है और गाडलीवुड स्टूडियों में पूरे विश्व के लोगों के लिए बनने वाले कन्टेट का प्रसारण यूएस और कनाडा में होने जा रहा है। इसके लिए ओम शांति चैनल शुरू हो रहा है। जिसपर परमात्मा का संदेश यूएस और कनाडा के लोग देख सकेंगे अथवा सीख सकेंगे। ताकि उनके जीवन में तरक्की हो। इसके लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गयी है। बस अनुकूल माहौल और समय पर इस चैनल में ईश्वरीय संदेश का घंटा बजने लगेगा। क्योंकि परमात्मा का कार्य हर आत्मा तक पहुंचाना हम सभी का परम कर्त्तव्य है। इस चैनल पर दिखने वाली सामग्री हिन्दी और अंग्रेजी दोनो में उपलब्ध होगी। ताकि हिन्दी भाषी के साथ अंग्रेजी में भी लोग कार्यक्रम देख व सुन सकें। गॉडलीवुड स्टूडियो का मकसद चलने वाले देश के सभी चैनलों पर बाबा का संदेश प्रचारित एवं प्रसारित हो ताकि वे अपने जीवन को बुराईयों के दलदल से

जैसे अच्छा या बुरा, समर्थ या व्यर्थ, सकारात्मक या नकारात्मक, संकल्प एक विचार भी हो सकता है

आखिर कहां से आया वह विचार जो कभी मन में आया ही नहीं

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्पिरिचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

आत्मा; मन बुद्धि के साथ तीन स्तर पर कार्य करती है, यह शक्तियाँ है मन बुद्धि और संस्कार, मेरे संकल्पों की रचना का आधार है, भूत काल की मान्यता, स्मृतियाँ, अनुभव तथा दूसरों के द्वारा प्राप्त जानकारियाँ आत्मा में निहित संकल्पों की रचना और अनुभव करने की शक्ति को ही मन कहते है। कभी कभी ऐसे विचार मन में प्रकट होते है, जिनकी हमें जानकारी भी नहीं होती और वे निरंतर बहते रहते है। यह कैसे होता है? इसका कारण है अवचेतन मन में संचित पूर्व कर्मो की छिपी स्मृतियाँ मन में उठने वाले संकल्पों का स्वरूप कुछ भी हो सकता है। जैसे अच्छा या बुरा, समर्थ या व्यर्थ, सकारात्मक या नकारात्मक, संकल्प एक विचार भी हो सकता है। प्राय: संकल्प मुझे कुछ करने का निर्देष देते है। मैं आत्मा निर्णय लेती हूँ कि ये करना है? ये नहीं अभी करना है? या बाद में, ये अच्छा है या बुरा?। संकल्पों का निरीक्षण करने की यह क्षमता को ही बुद्धि कहा जाता है निर्णय के आधार पर मैं आत्मा कर्म करती हूँ, कर्म छाप छोड़ता है, जिसका प्रभाव फिर विचार शैली पर पड़ता है इसे ही संस्कार कहा जाता है। कुछ संस्कार हल्के, मध्यम या बहुत गहरे भी हो सकते है। बहुत गहरे संस्कार कर्म के रूप में प्रत्यक्ष होते है। ये कर्म आपके चेतन, अर्धचेतन या अवचेतन अवस्थाओं में भी हो सकते है। शायद आपने कई बार ऐसे व्यवहार देखे है जैसे किसी व्यक्ति को कभी किसी कुत्ते ने काटा है और यदि आपके सामने कोई कुत्ता एकाएक आ जाए, तो वह पुरानी स्मृतियाँ याद आ जाती है और व्यक्ति भाग जाता है। गहराई में छपे हुए संस्कार बहुत शक्तिशाली व तीव्र होते है। कार व ड्राईवर का उदाहरण आत्मा और शरीर को मूल अंतर को समझने के लिए उपयोगी है। अगर आप अपने शरीर को कार मानले, तो आप आत्मा इसके ड्राईवर है। ड्राईवर गाड़ी को नियंत्रित करता है, घुमाता है या रोकता है वैसे ही आत्मा शरीर की विभिन्न गतिविधियाँ करती है, कितनी भी अच्छी गाड़ी हो, बिना ड्राईवर के चल नहीं पाती, जैसे ड्राईवर गाड़ी को नियंत्रित करता है, ठीक वैसे ही आत्मा शरीर को नियंत्रित करती है आप निश्चित ही समझ गए होंगे की आप शरीर नहीं जिसमे एक आत्मा है पर आप एक आत्मा है जिसका यह शरीर है हम प्रतिदिन अपने मोबाइल को चार्ज करते है। शररीर को भोजन से चार्ज करते है पर दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न आत्मा व मन को कैसे चार्ज कराए? अल्बर्ट आईन्सटाईन ने कहा था कि मनुष्य को सोचने और समझने की अद्भुत क्षमता का जो वरदान प्रभु से मिला है वह किसी अन्य प्राणी को नहीं मिला है, हालाँकि शारीरिक क्षमता में अन्य प्राणी मनुष्य से कई गुणा बढ़ चढ़ कर है, फिर भी हम इस ईष्वरीय सौगात का कितना फायदा उठाते है यह प्रश्न हमें अपने आप से पूछते रहना चाहिए। कुछ लोग बिना सोचे समझे कार्य कर बैठते है, और पछताते है। इसी तरह के लोग वे है जो किसी कार्य को बिना अच्छी तरह सोचे समझे नहीं करते है। निश्चय ही आप अपने को तीसरी तरह की श्रेणी में रखते होंगे अन्यथा आप अपनी प्रतिभा का बेहतर उपयोग नहीं कर रहें है 'लंगर डालकर नाव चलाना और पानी पर लकीर खींचना दोनों ही श्रेष्ठतम क्षमता का घोर अपमान है'

भुजंगासन योग की विधि और लाभ

यह आसन करते समय शरीर का आकार फन्न उठाए हुए सर्प के समान होने के कारण इसे 'भुजंगासन' कहा जाता हैं। अंग्रेजी में इसे ब्वइतं चवेम भी कहा जाता हैं। सूर्यनमस्कार करते समय मांक 7 में यह आसन किया जाता हैं। पीठ के दर्द से पीड़ित व्यक्तियों के लिए यह सबसे लाभकर आसन हैं।

यह है विधि

एक स्वच्छ और समान जगह पर चटाई दरी बिछाकर यह आसन करे। सबसे पहले पेट के बल लेट जाईए। पैरों को सीधा, लम्बा फैला कर रखना हैं। अपने हथेलियों को कंधो के नीचे जमीन पर रखे। माथा को जमीन से लगाकर रखें। अपने कुंहनियो की दिशा ऊपर आसमान की ओर रखे। अब धीरे-धीरे सिर को और कंधो को जमीन से ऊपर उठाइये। सिर को ऊपर उठाते समय श्वास अंदर लेना हैं। हाथों का अंदरूनी हिस्सा शरीर से स्पर्श कर रखे। हाथों पर अधिक दबाव न आने दे। अब धीरे-धीरे हाथों को कुंहनियो से सीधा कर, पूरी पीठ को पीछे की ओर झुकाना हैं। नाभी को जमीन से लगाकर रखे। इस स्तिथि में श्वास सामान्य रखे। इस स्तिथि में 20 से 30 सेकण्ड तक रुके और अभ्यास के साथ अंतराल बढ़ाये। इस अंतिम स्तिथि में कुछ देर रुकने के बाद धीरे-धीरे निचे आइए तथा पूर्व स्तिथि में विश्राम करे। यह ि या श्वास को बाहर छोड़ते हुए करना हैं।

रीढ़ की हड्डी बनती है लचीली

- रीढ़ की हड्डी लचीली बनती हैं। गले में खराबी या दमा से पीड़ित व्यक्ति ओ में भी यह आसन लाभकर हैं। पीठ की हड्डी मजबूत बनती हैं, उदर संबंधी रोग जैसे लिवर और किडनी रोग में लाभ मिलता हैं। कब्ज की शिकायत दूर होती हैं। पेट पर जमी अतिरिक्त चर्बी को दूर कर मोटापा दूर करने में मदद मिलती हैं। महिलाओं सम्बन्धी कई बीमारियों में फायदा पहुंचता है।

भुजंगासन में क्या सावधानी बरते ?

- भुजंगासन में निम्नलिखित सावधानी बरतें। हर्निया और भ्लचमतजीलतवपकपेउ से पीड़ित व्यक्ति ओ ने यह आसन नहीं करना चाहिए।
- अत्यधिक पेट दर्द होने पर यह आसन न करे।
- पीछे की ओर अकस्मात सिर और पीठ को नहीं झुकाना चाहिए।

अपने क्षमता अनुसार ही करें आसन

इस आसन से आप अपने शरीर को लचीला और फुर्तीला बना सकते हैं। अगर आपको पहले से कोई रोग या समस्या हैं तो किसी भी नए व्यायाम या आसन को करते समय अपने डॉक्टर और योग विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लेना चाहिए।

अन्तर्आत्मा में दिव्य ज्योति जलाने का पर्व

दिवाली एक ऐसा त्यौहार है। जो परिवार में खुशियाँ और उमंग उत्साह लेकर आता है। दिवाली की तैयारी एक महीना पहले से ही शुरू हो जाती है। तब हम घर के कोने-कोने की सफाई करते है। घर में हर चीज नयी लेकर आते है। आज जब भी आपको नये कपड़े नये बर्तन कोई नया सामान लेना होता था। तो हम कहते थे कि दिवाली पर लेंगे। दिवाली का जो समय है नवीनता का परमात्मा ने आकर सिखाया कि यदि सच्ची दिवाली मनानी है, तो अपने मन के कोने-कोने से जो पुरानी बातें जो दूसरे की बुरी लगी हुई बातें जो कचड़ा मन में पकड़ के रखा है। उसे कोने-कोने में एक नई सोच एक नई भावना और नये संस्कारों बनाकर पुराने संस्कार को खत्म कर देना चाहिए। इसके साथ ही एक नये संस्कार की शुरूआत करे, सचमुच जीवन सच्ची दिवाली बन जाएगा। क्यों न हम सब मिलकर कोई अपने एक पुराने संस्कार को विदाई देते है।

बीके शिवानी, जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ

मान लिए सपोज हमारे अंदर गुस्से का संस्कार है, हॉट होने का संस्कार है, हम बहुत सेसेंटिव है। हमें छोटी-छोटी बातें जल्दी बुरी लग जाती है। आज हम एक संस्कार को विदाई देते है, उसकी सफाई करते हैं और एक नया संस्कार आज से शुरू करते है। कि जीवन में कोई भी परिस्थिति आये हम उसे शांति से संयम से और प्यार से फेस करेंगे। दूसरों को समझेंगे दूसरो को अण्डर स्टैन्ड करेंगे, उनके संस्कारों को एक्सेप्ट करेंगे। जब हम पुराने संस्कारो का परिवर्तन कर एक नये संस्कार की शुरूआत करेंगे। तब आत्मा का दीपक वो ज्योति सदा जगती रहेगी। और फिर जो हमारे अन्दर की दिव्यता है वो देवी देवताओं के संस्कार है। जिसका हम आह्वान करना चाहते है, तो हमारे जीवन में आ जायेंगे तब सचमुच में सिर्फ एक दिन में ही सच्ची दिवाली बन जाएगा। लोग जब दीपक जलाते है तो भी यही देखते है कि दूसरे के घर पर कितना दीपक जल रहा है। फिर यदि आपके घर में कम दीपक है तो लगता है कि ज्यादा दीपक जलाना चाहिए। फिर दिवाली के दिन भी प्रतिस्पर्धा आ जाती है। हम दूसरे के दीपक जलता हुए देख दुखी हो जाते हैं। फिर पुराने संस्कारों का विदायी कहां से हुआ।

मन का कचरा रोज करें साफ

इसलिए हमें स्थूल दीपक जलाने से पहले मन के अन्दर व्यर्थ, निगेटिव और अशुभ संकल्प को ज्ञान और समझ का झाड़ू लगाकर फेंक दें। हर एक के अन्दर सदा अच्छाई देखें। कि कैसे कोई खा रहा, कोई पी रहा उसमें भी अच्छी बातें क्या है। कई बार हम क्या करते है कि प्रतिदिन जो निगेटिव संकल्प चलते है उसे संभाल कर मन में रखने लगते हैं। यह ठीक ऐसे ही है जैसे घर के किसी कोने में प्रतिदिन कचरा डाले और सफाई नहीं करे तो इससे बदबू फैलने लगती है वहाँ ठहरना मुश्किल हो जाता है। कोई भी उस स्थान पर जाना पसन्द नहीं करता है। ठीक ऐसे ही है मन में नकारात्मक बाते एक तरह से कचरा ही तो है। जरा सोचिए जब यही चीजें दूसरों के अन्दर देखते है तो कैसा लगता है। हम उससे मुंह मोड़ लेते है दस जगह बोलते है कि फलां ऐसा है, उसे तो अच्छी बाते आती ही नहीं, केवल निगेटिव ही सोचता और करता है आदि आदि। जब यह आपको प्रिय नहीं लगती तो आपके अन्दर जब इकट्‌ठा होती जायेगी तो क्या दूसरा आपको अच्छा देखेगा और सोचेगा। फिर हम दूसरों से एक्पेक्ट करते हैं कि वह हमसे अच्छा व्यवहार नहीं करता। मन ही मन उसके लिए भी निगेटिविटी भरती जाती है। जबकि यह समस्या हमारे मन के अन्दर है। व्यर्थ बातों रूपी कचरा इतना इकटठा हो जाता है कि, फिर वह सड़ने लगता है और नकारात्मक सोच, नकारात्मक दृष्टिकोण बन जती है। फिर समस्या हमारे अन्दर होती है और दोष हम दूसरों को देने लगते हैं। ना तो अपने को अण्डर स्टैण्ड करते और ना दूसरों को। फिर हम सही दूसरा गलत यह धारणा मन में पक्की हो जाती है। यही स्थिति अज्ञानता, झूठे अहंकार का जन्म देती है। हमें पता भी नहीं पड़ता है और हम झूठी मान शान और शोहरत में अहंकारी

बन जाते हैं। हमें भले ही पता नहीं चले परन्तु लोगों को समझ में आ जाता है। वह हमसे दूर होने लगता है। ऐसे में हमारे साथ कोई नहीं होता है और हम अकेला महसूस करने लगते है। चारो ओर अंधकार सा महसूस करने लगते हैं।

सबसे सम्बन्ध मधुर करने का संकल्प लें

जब दीवाली एक महीने रह जाये तो हम यही सोचते है कि दीवाली पर सफाई करेंगे। साफ सुथरा करेंगे। ऐसे हमें भी शरीर रूपी मंदिर के अन्दर जितनी पुरानी बातों, वेस्ट थॉट, निगेटिव एट्‌टीटयूड है उसकी पूरी तरह सफाई करें। तब हमारे घर में लक्ष्मी का वास होगा और सच्ची दीवाली होगी। पूरे परिवार को दीपावली मनाने से पहले यह संकल्प लें कि जैसे हमारे द्वारा जलाये ये जब रोशनी देता है तो वह रोशनी देने के मामले में अपने आस पास पड़ोस यह नहीं देखता कि यहाँ अंधेरा कर दो। यहां उजाला करें, नहीं ना। तो फिर हम यह भी तो सोचें कि इस दीपावली पर अपने पड़ोसी से सम्बन्ध अच्छे करेंगे और हम दीपावली हमारा प्यार और आनन्द का प्रकाश दूसरों के घर की भी रोशनी फैलायेगा। हम खुद खुश रहेंगी और खुशिया बांटेगी। सारा खेल मन का है।

ज्ञान जल से करें मन की धुलाई

अधिकतर आपने देखा होगा कि हम दीवाली को लेकर इतना कान्सियस हो जाते है कि साफ सफाई में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। बच्चों सहित पूरे परिवार को कह देते है कि आज दीवाली है गन्दगी नहीं होनी चाहिए। यहाँ तक कि जो मिट्टी के दिये भी होते है उसे भी धुलाई करते है कि गन्दगी ना रहे। इसलिए कि लक्ष्मी का वास हमारे घर में हो जाये और चारो ओर प्रकाश और समृद्धि हो। हम कभी नहीं सोचते कि लक्ष्मी अथवा धन का कनेक्शन भी हमारी सोच और कार्मिक एकाउण्ट से सम्बन्धित है। इसलिए हमें अपने कार्मिक एकाउण्ट को ठीक रखना पड़ेगा। इसके लिए तो हमें अपने संस्कारों, बुरी आदतों, बुरे संस्कारों के जो खाते बही है उसे समाप्त करना पड़ेगा। वह चाहे खुद के साथ हो या परिवार या समाज के किसी भी व्यक्ति के साथ। क्योंकि जब तक वह समाप्त नहीं होगा तब तक वह अन्दर से खींचता रहेगा। इसके लिए हमें अपनी आत्मा की ज्योति जगाने के बारे में भी सोचना चाहिए। हमारा थॉट जब इस लेवेल पर आयेगा तो परिवर्तन का दौर प्रारम्भ हो जायेगा। जैसे दीवाली को लेकर जब हमारी धारणा बन जाती है तो वह चीजे जल्दी से बदलने लगती है। हमारी सोच और हमारा हर थॉट उसी तरह से काम करने लगता है। फिर हमारी पूरी एनर्जी उस कार्य में लग जाती है। फिर वह कार्य पूरा हो जाता है।

अन्तःकरण की स्वच्छता आएगी लक्ष्मी

मैं तो कहती हूँ कि जब व्यापारी दीवाली पर अपने उधार लिये दिये जाने वाले सभी एकाउण्ट क्लोज कर नये एकाउण्ट शुरू करते हैं। तो हम भी पूरे वर्ष जो हमारे साथ हुआ या हमने दूसरें के साथ जो किया उसका हिसाब किताब यहाँ पूरा करने का संकल्प क्यों ना लें। बल्कि जिसके साथ थोड़ा मोड़ा भी मनमुटाव या नाराजगी है, अथवा संकल्प स्तर पर भी है तो खुद अपनी ओर से पहल करते हुए उसे मुख मीठा कराकर फिनिश करें। इससे अपने मन को हम समझाकर एक लक्ष्य दे पायेंगे। आप जब किसी बच्चे को कोई काम का लक्ष्य दे देते है तो वह उसे हर तरह से पूरा करने का प्रयास करता है। ऐसे ही मन को भी जब हम एक दृढ़ता से लक्ष्य दे देंगे तो वह भी अपने लक्ष्य को पाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगा। वह तब तक जब तक पूरा ना हो जाये। बस उसे थोड़ा याद दिलाने की जरूरत होगी।। जब मन में किसी प्रकार की मटमैली सोच नहीं रहेगी तब मन भी साफ रहेगा। फिर हमारे स्थूल दीपक जले या ना जले परन्तु आत्मा का दीपक तो जलाना ही है। स्वयं शिवबाबा परमात्मा ने भेजकर आत्मा में ज्ञान रूपी का तेल डाला था जो आज तक चल रहा था। अब तो आप भी ऐसे ज्ञान के बीज डालेगे और दूसरों को प्यार और शांति का पाठ पढ़ा सकता है। यही परमात्मा की सच्ची दीपावली तो हम इस दीपावली पर चारो ओर तरफ ईर्ष्या नफरत के अज्ञान को मिटायेंगे। यही सच्ची मामले में सच्ची दीपावली है।

योगी बनना है तो सयाने, समझदार, व्यर्थ बातों से इनोसेंट बनो

मीठे परमात्मा ने हमारा जीवन हीरे तुल्य बनाने के लिये कितने प्रकार के साधन हमारे लिए बनाये हैं। इतने बड़े संगठन में, शक्तिशाली वातावरण में अपने आपको देख, मीठे बाबुल को देख, सब अपने चरित्र को ऊँचा बनाने में लगे हुए हैं। इसके सिवाए और कुछ ध्यान नहीं है। और सब बातों से फ्री हैं। हमारी चलन और चेहरा अन्दर की धारणा को प्रत्यक्ष रूप में दिखाता है। यह भी परमात्मा ने कहा है कि जितना याद की शक्ति होगी उतना राजाई पद पाने के अधिकारी हैं क्योंकि अधिकारी बनना है तो उसके लिए योगबल चाहिए। सही योग किसको कहा जाता है ? चलते-फिरते, कार्य-व्यवहार में आते हुए भी अपने ऊपर अटेन्शन हो तो योगयुक्त स्थिति रह सकती है। जिसे माँ-बाप को फॉलो करना है, उनकी योगयुक्त स्थिति रह सकती है। जो हदों से पार रहने के लिए अन्दर ध्यान रखते हैं, उनकी योगयुक्त स्थिति रह सकती है। अपने आपको परचिंतन से फ्री परे रखें। यह हमारी रेसपान्सिबिल्टी है। यह रेसपान्सिबिल्टी भी बहुत अच्छा साधन है अपने आपको चेंज करने के लिए, तो इस रेसपान्सिबिल्टी को जो अच्छी तरह से निभाता है उनको अच्छा रेसपान्ड मिलता है।

समेटने और समाने की शक्ति योगयुक्त बनने में बहुत मदद करती है, क्योंकि अन्त मते हमारी स्थिति बहुत ऊँची रहे, बाबा ही सामने हो तो बाप समान बनेंगे। बाबा सामने तब आयेगा जब पढ़ाई और सच्चे पुरूषार्थ पर, सच्ची दिल से सेवा पर ध्यान दिया होगा। बहुत काल का योग माना बहुत काल से सच्चे बाबा के साथ सच्चा रहा हुआ हो। सच्ची दिल से साहेब को सदा राज़ी रखा हुआ हो तो अन्त मतेबाबा सामने आयेगा।

बाबा मेरे ऊपर सदा राजी रहे, जैसे बाबा कहते बच्चे नियत साफ, दिल साफ तो मुराद हासिल। शिवबाबा की मदद के बिगर तो हम मददगार बन भी नहीं सकते हैं। परन्तु हिम्मत हम बच्चों की मदद बाबा की है। हिम्मत-ए-बच्चे,मदद-ए-बाप यह भी एक स्टोरी है। सच्ची दिल पर साहेब राज़ी। बस, सच्ची दिल है हमारी तो साहेब राज़ी है, फिर कोई भी हमारे से नाराज़ नहीं हो सकता है। साहेब को राज़ी रखना हो तो जो भूल एक बार हुई फिर वह दुबारा न हो। हमारी चलन कोई साधारण न हो। अगर बाहर के लोगों जैसी हमारी चलन है तो नाम बाला करने के बजाए, उसका प्रभाव लोगों पर क्या पड़ेगा ! प्रभाव तो छोड़ो पर अपना ही मन खाता रहेगा। और तीसरी बात नीयत साफ यानि दिल साफ तो मुराद हासिल।
और देखा जाता है व्यर्थ संकल्पों की उत्पश्रि होने का मूल कारण ही है-देह-अभिमान। ज़रूरी समझ कर संकल्प उठाते हैं लेकिन जरूरी नहीं है। फिर और जो व्यर्थ सोचने वाले हैं वह भी इस में शामिल हो जाते हैं। जो नहीं सोचने वाले हैं वह शामिल होंगे ही नहीं, वह कहेंगे मैं क्या जानूँ इस धन्धे से। यह खोटा धन्धा है, यह धन्धा नुकसान वाला है। बाबा हमेशा कहते कि जो अच्छा बिजनेस वाला होगा वह कभी नुकसान वाली बात नहीं करेगा। बिजनेस वाले सिर्फ अपने लिए नहीं कमाते हैं लेकिन अनेकों का उसमें फायदा होता है, तो अनेकों का भला भी करते हैं। तो सच्चे बिजनेस वाले अनेकों का भला करने के लिए बिजनेस करते हैं न कि अपनी लग्जरी लाइफ बनाने के लिए कमाते हैं। नहीं, औरों का भला हो इस लिए कमाते हैं। तो हम भी बाबा के बच्चे कमाई करते हैं तो उस में सबका भला समाया हुआ है। कभी गफ़लत से घाटे में नहीं जाते हैं। इस लिए बाबा ध्यान खिंचवाते कि पढ़ाई और योग में जरा भी सुस्ती न हो। वह भी नुकसान-कारक है, घाटा डालती है। हम को देख और करेंगे। यह भी ड्रामा अनुसार एक बहुत अच्छा बन्धन है-कि एक तो जो हम करेंगे सो पायेंगे। दूसरा जो हम करेंगे हम को देख और करेंगे-यह बन्धन भी प्यारा है। इस प्रकार का बन्धन अलबेला या सुस्त बनने नहीं देता है।

योग और पढ़ाई यह हमारे ब्राहण जीवन की शोभा

योग और पढ़ाई यह हमारे ब्राहण जीवन की शोभा है। भले कितना भी और काम करें लेकिन इस में अगर मिस होता है तो दिल को खाता है। तो योग अच्छा तब होगा जब कभी हमारी कान्सेस बाइट न करे, गलती न हो। आजकल दुनिया में तो कई ऐसे अलबेले हैं जिस को जबरदस्ती गलती महसूस कराते हैं। वह नहीं करते हैं। कहते हैं हम ने रांग थोड़े ही किया है पर जबरदस्ती कराते हैं। कोई होते हैं अपने आप समझते हैं कि मेरे से यह ठीक नहीं हुआ है। तीसरे होते हैं ऐसे करते ही नहीं हैं जो गलती महसूस हो। तो हम अपने से पूछें कि हम किस में हैं ? योग तभी अच्छा लगेगा, योगयुक्त स्थिति तभी रहेगी जब हम अपने लिये समझदार, सयाने बनें। बाबा ने समझ दी है हमारी बुद्धि को दिव्य बनाने के लिए। मेरी बुद्धि पहले सदा सतोगुणी हो तो बर्तन साफ होने से बाबा जो सुनाता है वह हमारे बुद्धि में अच्छी तरह से बैठता रहेगा और हमारे अन्दर दिव्यता आती रहेगी। इस के लिए रोज सुबह बुद्धि रूपी मटके को साफ करना चाहिए तब जो बाबा ने सुनाया वह बुद्धि रूपी मटके में ज्ञान पानी की तरह रहेगा और सारा दिन हम औरों को पिला सकेंगे। **क्रमशः**

कब मरेगा मन का रावण

अश्विन शुक्ल प्रतिपदा से लेकर नवमी तक नवरात्रि मनाने के बाद दशमी को भारत के लोग विजय पर्व अथवा दशहरा मनाते है। वे मानते है, कि राम ने इसी दिन दस सिर वाले रावण पर विजय प्राप्त की थी। अत: वे शत्रु को परास्त करने के लिए इसे पुण्य तिथि मनाते है। उनका यह निश्चय है कि इस दिन सभी कार्य सिद्ध होते है। इसी दिन वे रावण के साथ मेघनाथ और कुम्भकरण का बुत जलाते है और शमी वृक्ष का पूजन करते है क्योकि मानते है कि शमी सभी पापों का नाश करने वाला और शत्रुओं को नष्ट वाला है।
आज राम कथा-कथा इतनी लोकप्रिय है कि भारत के बाहर भी कर्अ देशों में लोग राम कथा सुनते और नाटक रूप में दिखाते है। केवल आदि सनातन धर्म ही नही बल्कि बौद्ध, जैन आदि मतावलम्बी भी राम को किसी न किसी तरह मानते है। इन्डोनेशिया देश में तो राम मुस्लमान लोग भी इसे मंच पर अभिनय में लाते है। कम्बोडिया देश के राम मन्दिर (अंगकोर वत्स) का नाम तो विश्व विख्यात है, अवश्य ही यह कथा ऐसे पवित्र एवं महत्वपूर्ण वृत्तान्त को अभिव्यक्त करती है जिस कारण उसने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता और ख्याति प्राप्त कर ली है, हाँ विभिन्न देशों, सम्प्रदायों और भाषाओं में जो रामायण मिलती है, उनमें अन्तर है। शोध कार्य करने वाले कहते है, कि वाल्मीकि द्वारा कविताबद्ध किये जाने से पहले भी राम कथा लोक-गीतों आदि के रूप में प्रचलित थी। अत: समयान्तर में इसके प्रक्षिप्त होने की बात मानी जा सकती है।

अज्ञानता की नींद कुम्भकरण का प्रतीक

रावण राज्य के बारे में कहा जाता है कि तब जल, अग्नि, वायु आदि सभी रावण के अधीन थे। आज भी हम टूटी खोलें तो जल आ जाता है, बटन दबायें तो अग्नि दीप्त हो जाती है, स्विच ऑन करें तो पवन चल पड़ती है। कहते है कि रावण ने एक ऐसी सीढ़ी बना ली थी कि वह चन्द्रमा तक पहुँत सकता था। आज ऐसे भी अन्तरिक यान बन चुके है जिन से मनुष्य चाँद पर जा उतरता है रावण राज्य में बस एक ही बात की कमी रह गई थी कि मुर्दे को जिन्दा नही किया जा सकता था बस वही स्थिति आज भी है आज कुम्भकरण जैसे सुस्त और निद्रालु लोग भी है जो आलस्य से अभीभूत रहते है आज मेघनाथ अर्थात् बादल की गर्जन जैसे भयावह करने वाले रौब से ड़राने वाले लोग भी है हर नर नारी के मन रावण अथवा राक्षती वृत्ति का ही राज है आज राम का तो लोग केवल नाम लेते है मन तो काम ही के अधीन है अथवा बगल में तो छुरी ही है रिश्वत, मिलावट, अपहरण, बलातकार, अन्याय, अत्याचार, आतंक, पापाचार का बाजार गरम है। अतः समझ लेना चाहिए कि अब फिर इसका अन्त निकट है।

मन में छिपे बुराई रूपी रावण को मारें

अतः अध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाए तो रावण अभी मरा नही है। हर वर्ष लोग लाखों करोड़ो रूपये खर्च करके रावण का बुत ही जलाते है परन्तु रावण स्वयं तो अभी जिन्दा है। वह तो मनुष्य के मन में सिंहासनस्थ है। आश्चर्य की बात है कि हर वर्ष रावण के पुतले को हर पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक ही ऊँचा बनाते है और दूसरी ओर भ्रष्टाचार पापाचार एवं राक्षसाचार रूपी रावण भी बड़ा होता जा रहा है आज समाचार पत्रो में हम हर आये दिन अपहरण ही नही बल्कि बलात्कार के घिनौने वृत्तान्त पढ़ते है। आज कौन है जिसके मन में काम क्रोधादि विकार रूपी रावण राज नही कर रहा?

अब हमें चाहिए कि राम कथा के उपरोक्त अध्यात्मिक रहस्य को समझ कर हम सही अर्थ में राम को अपने मन में बसायें और पाँच विकारो रूपी रावण को ज्ञान रूपी राम से मार कर योग रूपी अग्नि से इसको जलाये। इस से ही रावण का नाश होगा। वरना तो अभी रावण मरा नही है, अभी तो उसका पुतला ही जला है।

कोई भी हो सकता है 'दशानन'

एक बात जो प्राय: कही और मानी है, यह है कि रावण कोई दस सिर वाला व्यक्ति रहा होगा। आज यदि आप किसी शरीर विज्ञान, स्नायुमण्डल विज्ञान मस्तिष्क विज्ञान के ज्ञाता से पुछें तो वह आप को बतायेगा कि दस सिर वाला कोई व्यक्ति नहीं हो सकता। मनुष्य के शरीर के सभी भाग जिस प्रकार मस्तिष्क से जुड़े हुए है,और मस्तिष्क के भाग जिस-जिस कार्य के निमित्त है, उसको जानने वाला कोई व्यक्ति यह नहीं मानेगा कि किसी मानव तनधारी के दस सिर हो सकते हैं। फिर लंका देश के लोग तो यह कहते है कि उनके देश के ऐतिहासिक अथवा प्रागैतिहासिक काल में रावण नाम का तो कोई राजा हुआ ही नहीं। इसके अतिरिक्त रावण और राम दोनो नाम एक-दूसरे के विपरीतार्थ के बोधक हैं क्योंकि रावण का अर्थ रूलाने वाला और राम का अर्थ लुभाने वाला हैं। अन्यश्च, सीता का जन्म एक सीता (खेत की एक मेढ़) में दबे हुए घट से होने की बात को भी लोगें का विवेक नहीं मानता क्योंकि आज तो वंशोत्पति की क्रिया को लोग वैज्ञानिक दृष्टि से जानते हैं अत: इन तथा अन्य अनेक तथ्यों के अधार पर लोगों की यह मान्यता कि राम कथा एक उच्च आध्यात्मिक सिद्धान्त और वृत्तान्त का बोध कराते हैं। जो कि त्रेतायुग के राजा राम से सम्बन्धित ना होकर जगत के रचयिता, राम परमात्मा से सम्बन्धित हैं, ठीक ही मालूम होती है त्रेतायुगी श्री राजा राम के राज्य में तो दैहिक, दैविक या भौतिक ताप थे ही नहीं। तब तो कोइ असुर, राक्षस या दैत्य इस धरा पर कहीं भी था ही नहीं कि उसका वध किया जा सकता। फिर सीता जैसी राम परायण भगवती को तो ना कोइ बुरी दृष्टि से देख सकता था ना छू ही सकता था।

पांच विकार पुरूष का प्रतीक

यदि इस दृष्टिकोण से सारी कथा पर विचार किया जाये तो यह समस्त विश्व ही सागर से घिरा होने के कारण एक विशाल टापू, द्वीप या महाद्वीप हैं। पहले यह विश्व सोने का था, धन-धान्य से सम्पन्न था। अत: यह सृष्टि ही पुराकाल में सोने की लंका थी। धीरे-धीरे यहाँ के नर नारी नैतिकता के ह्रांस की ओर उन्मुख हुए अन्ततोगत्वा यहाँ धर्म-ग्लानि और अधोपतन की स्थिति पैदा हो गई। काम, क्रोध, लोभ, और अहंकार-ये पाँच विकार हर नर और हर नारी के मन पर राज करने लगे। इसी भाव को स्पष्ट करने के लिए रूपक अलंकार में कहा गया है, कि तब दस सिर वाले रावण का राज्य था क्योकि ये विकार दुखित करने वाले अथवा रूलाने वाले रावण है। चूँकि मुख को ही मनुष्य के मन का दर्पण कहा गया है, इसलिए उस समय के नर-नारी के पतन की अवस्था को व्यक्त करने वाला यह दस सिर वाला पुतला रावण प्रतीक रूप में बनाया जाता है।

बुराई रूपी रावण से बचें

उस धर्म ग्लानि के समय मन को हर्षित करने वाले गुण प्राय: लुप्त थे गोया तब राम वनवासी थे, तब हर आत्मा रूपी सीता परमरत्मा रूपी राम को पुकार रही थी तब सीता ने मरयादा अथवा लक्ष्य की रेखा का अतिक्रमण किया था इसी को लक्ष्मन रेखा से बाहर निकलना कहा गया है बत माया रूपी मारीच रूपी मृग अथवा लोभ ने आत्मा रूपी सीता को छल लीया था। तभी

कलाई पर बंधा बहनों का प्यार

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से गोमती नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राधा ने मुलाकात कर बधाई देते हुए रक्षासूत्र बांधा। इस

पटना सबजोन प्रभारी बीके संगीता ने बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार को आत्मिक स्मृति का तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधा।

अगरतला सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए।

अहमदाबाद : गुजरात जोन प्रभारी बीके सरला मुख्यमंत्री विजय रुपाणी को आत्मिक स्मृति का तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधते हुए।

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भोपाल झोन की निदेशिका बीके अवधेश ने मुलाकात कर रक्षासूत्र बांधा।

भुवनेश्वर : ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात कर रक्षासूत्र बांधकर सम्मान करती भुवनेश्वर सबजोन प्रभारी बीके लीना।

दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को रक्षासूत्र बांधत बीके बहनें।

राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को मुख्मंत्री बांधतीं बीके सुषमा व बीके चंद्रकला तथा उपस्थित बीके भाई।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हरीश रावत को राखी बांधतीं बीके बहनें तथा उपस्थित अन्य अतिथि।

सदानंद गौड़ा को रक्षा सूत्र बांध कर विश्व शांति का संदेश देतीं बीके बहन।

मोतिहारी बिहार : केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहनसिंह को रखा सूत्र बांधी बीके विभा।

रक्षाबंधन पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया गया बहिनों ने भाइयों की कलाइयों पर रेशम के धागे सजा कर उनसे शुभाशीष लिया तो भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प किया। ब्रह्मा कुमारीज संस्थान में रखी खास अंदाज में मनाई गई। बहनों ने रखी के बदले भाइयों से बुराइयों को त्यागने तथा सदाचार की राह पर चल कर सबके कल्याण की मंगलकामना की। उन्होंने हर आमोखास को रक्षा सूत्र पहना कर मानव मात्र की रुक्षा, सुरक्षा व भाईचारे का संदेश दिया।

दिल्ली : वित्तमंत्री अरूण जेटली से बीके रमा ने मुलाकात कर राखी बांधी और संस्थान के गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी।

केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथसिंह को रक्षा सूत्र बांधतीं ओआरसी की निदेशिका बीके आशा तथा उपस्थित बीके बहनें।

दिल्ली चाणक्य प्लेस की बीके बृंदा कायदा, न्याय, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री रवीशंकर प्रसाद को रक्षासूत्र बांधते हुए।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को राखी बांधतीं दिल्ली करोल बाग की बीके सविता तथा अन्य बहन।

मुजफ्फरपुर में केन्द्रीय राज्यमंत्री गिरिराजसिंह को रक्षा सूत्र बांधती बीके सविता बहन तथा उपस्थित परिजन।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया सिंग पटेल से मुलाकात कर रक्षाबंधन पर आत्मिक स्मृति का तिलक लगाती करोलबाग

रायपुर : छत्तीसगढ़ के रायपुर में कैबिनेट मिनिस्टर ब्रिजमोहन अग्रवाल को राखी बांधती क्षेत्रीय निदेशिका बीके

रक्षबंधन पर केन्द्रीय रेलमंत्री सुरेश प्रभु को रक्षासूत्र बांधतीं बीके लक्ष्मी, बीके सविता व अन्य बहन।

पणजी : गोवा के पणजी में केंद्रीय सुरक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर को बीके सुरेखा ने राखी बांधकर माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

दिल्ली : पंतप्रधान कार्यालय मे सेवा देनेवाले पर्सोनेल और पब्लिक ग्रीव्हन्सेस मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंग को रक्षासूत्र बांधने

दिल्ली : सुरक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष रामराव भामरे से मुलाकात कर रक्षासूत्र बांधती करोलबाग सेवाकेंद्र की

दिल्ली : करोलबाग की बीके सविता केंद्रीय सामाजिक न्याय और सशक्ति करण मंत्री थावरचंद गेहलोत को रक्षाबंधन के

दिल्लीः सडक यात्रा राज्यमंत्री मनसुख एल. मांडवीय से मुलाकात कर रक्षासूत्र बांधती करोलबाग सेवाकेंद्र की वरिष्ठ

.- सोनीपत में केंद्रीय मंत्री कविता जैन से सेक्टर 15 सेवाकेद्र प्रभारी बीके प्रमोद, राजयोग शिक्षिका बीके

दिल्ली : वस्त्रोद्योग राज्यमंत्री अजय तामता से मुलाकात कर रक्षाबंधन पर आत्मिक स्मृति का तिलक लगाती करोलबाग

करोलबाग की बीके सविता केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्री थावरचंद गहलोत को रक्षा सूत्र बांधती हुईं।

दिल्ली : करोलबाग की बीके सविता केंद्रिय महिला और बालकल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा राज को रक्षासूत्र बांधते हुए।

गोहाटी : आसाम के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को बीके रजनी ने राखी बांधकर ईश्वरीय संदेश दिया।

लखनऊः उत्तरप्रदेश के राज्यपाल राम नाईक से गोमती नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राधा ने मुलाकात कर राखी की बधाई देते हुए

अगरतला : त्रिपुरा के राज्यपाल तथागत राय को राखी बांधती बीके बहनें तथा उपस्थित बीके भाई।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात कर रक्षासूत्र बांधकर सम्मान करती भुवनेश्वर सबजोन प्रभारी बीके लीना।

रायपुर : छत्तीसगढ़ के रायपुर में राज्यपाल बलराम दास टण्डन को राखी बांधती क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला।

चेन्नई : राखी के पावन पर्व पर तमिलनाडु के राज्यपाल डॉ. के. रोसय्या को राखी बांधती अण्णानगर - चेन्नई की वरिष्ठ राजयोग

पणजी : गोवा के पणजी में राज्यपाल मृदुला सिन्हा से रक्षाबंधन के बाद पणजी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शोभा ने मुलाकात की और संस्थान

शिलांग : मेघालय के राज्यपाल वी शंगमुनाथन से शिलांग सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीलम ने मुलाकात कर राखी बांधी व मुख्यलाय माउंट

चंडीगढ : हरियाणा के गर्वनर कप्तान सिंह सोलंकी को चंडीगढ में सेक्टर 33 ए की प्रभारी बीके उत्तरा ने राखी बांधी। साथ मे पंजाब

मुंबई : महाराष्ट्र के राज्यपाल विद्यासागर राव को मुंबई के नेपियनसी रोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूक्मणि रखासूत्र बांधने के बाद

.- जयपुर : ब्रह्माकुमारीज की जयपुर सबजोन प्रभारी बीके सुषमा और बीके चंद्रकला ने राजस्थान के राज्यपाल कल्याण सिंह को

पुण्य स्मरण

दादी की पुण्य तिथि पर उमड़ा जन सैलाब, हज़ारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

विश्व बन्धुत्व के लिए सद्भावना की जरूरत-दादी

शिव आमंत्रण, माउण्ट आबू। वर्तमान समय में सब कुछ मिल रहा है परन्तु सदभावना और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना की कमी मनुष्य के ताने बाने को तोड़ रही हैं। समस्त जगत में विश्व बन्धुत्व स्थापित करना है तो उसके लिए सदभावना बढ़ानी होगी।

उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की नौवी पुण्य तिथि पर सम्बोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि दादी ने पूरे विश्व में भाईचारे तथा एकता के संदेश को लेकर कार्यरत थी। उनका प्रयास समस्त मानव जाति को एकता के सूत्र में पिरोना था। इससे ही विश्व में शांति एवं सदभावना का विकास होता है। दादी पूरे विश्व को माँ के रूप में पालना देते हुए नारी को शक्ति की शक्त में तब्दील किया।

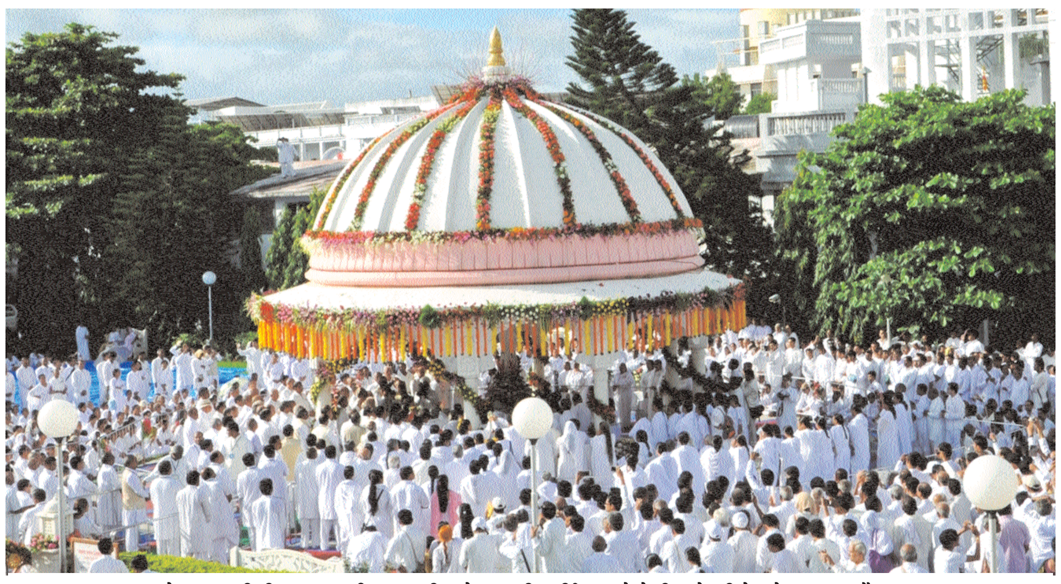

नवें पुण्य स्मृति दिवस पर दादी प्रकाशमणि को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए देश-विदेश से उमड़ा जनसैलाब।

संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके निर्वैर ने कहा कि दादी ने माँ की तरह पालना करते हुए मानव जाति में एक ऐसी आशा की किरण जगायी कि हर कोई अपने जीवन में एक नयी इबारत लिख सके। दादी का यही प्रयास नारी को शक्ति के रूप में स्थापित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि दादी का जीवन एक मिशाल था। वह हर किसी को अपने जीवन में मूल्यों के लिए प्रेरित करती थी।

इन्होंने रखे विचार

कार्यक्रम में सूचना निदेशक बीके करूणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, शांतिवन के अभियन्ता बीके भरत, कार्यक्रम निदेशिका बीके मुन्नी समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

दादी हमारी प्रेरणास्रोत

दादी का जीवन प्रेरणास्रोत है। आज वे हमारे बीच नहीं है परन्तु मार्गदर्शना के कारण संस्था छोटे से पौधे से वट वृक्ष का रूप धारण कर चुकी है। हमारा पूर्ण सहयोग रहेगा।

\- **नीरज डांगी,** महासचिव, कांग्रेस कमेटी, राजस्थान

77 वर्ष की उम्र में निधन, लम्बे समय से चल रहा था इलाज

राजयोगिनी बीके मोहिनी को हजारों लोगों ने दी अंतिम विदायी

शिव आमंत्रण ■ माउंटआबू

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मैनेजिंग कमेटी की सदस्या तथा ग्राम विकास प्रभाग की पूर्व अध्यक्षा बीके मोहिनी का देहावसान हो गया। वे 77 वर्ष की थी लम्बे समय से उनका अहमदाबाद के हास्पिटल में इलाज चल रहा था। 7 मार्च को प्रात: 8.45 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार से पूर्व उनकी बैकुण्ठी निकाली गयी जिसमें पार्थिव शरीर को सजा धजा कर माउण्ट आबू, ज्ञान सरोवर, ग्लोबल हास्पिटल समेत मुख्य स्थानों की यात्रा करायी गयी। शांतिवन परिसर से अंतिम यात्रा निकाली गयी। इसमें हजारों लोगों का कारवा शांतिपूर्ण कई किमी में क्षेत्र में तब्दील हो गया। सम्मेलन में सभागार से पार्थिव शरीर को तपस्या धाम तथा उनके निवास स्थान पर कुछ समय के लिए रखा गया। कतार बद्ध होकर लोगों ने अपने हाथों में फूल और मालाओं से जगह जगह श्रद्धांजलि करते प्रार्थना भी करते रहे। इसके पश्चात पैदल ही हजारों लोगों का समूह से चार किमी तक लम्बी कतार बन गयी। ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, भाजपा जिलाध्यक्ष लुम्बाराम चौधरी, यूआईटी चेयरमैन सुरेश कोठारी, माउण्ट आबू उपखण्ड अधिकारी अरविन्द पोसवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबू भाई पटेल, जिला महामंत्री उपाध्यक्ष विजय गोठवाल, माउण्ट आबू के पार्षद सुनिल आचार्य, मांगीलाल काबरा, भंभानी, सदर थानाधिकारी भंवरलाल चौधरी, तहसीलदार मनसुख डामोर, लायन्स क्लब अरावली के पूर्व अध्यक्ष अविनाश शर्मा, समेत बड़ी संख्या में लोगो ने उन्हे श्रद्धांजलि दी।

राजयोगिनी बीके मोहिनी की अंतिम यात्रा में उमड़े हजारों लोग।

इस अवसर पर संस्था के महासचिव बीके निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि बीके मोहिनी का जीवन लोगों के लिए प्रेरणास्रोत था वे लोगों के लिए दिलों में हमेशा जीवित रहेंगी। संस्था के सूचना निदेशक बीके करूणा, कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, गॉडलीवुड स्टूडियो के कार्यकारी निदेशक बीके हरीलाल, बीके भरत समेत संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजयोगिनी बीके मोहिनी का जन्म 24 मई, 1939 में लखनउ में हुआ था। वे 12 वर्ष की उम्र में ही संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के सम्पर्क में आयी। इसके बाद वे 1954 में माउण्ट आबू आयी। संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने के बाद संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के साथ सहयोग करते हुए ईश्वरीय गतिविधियों में सहयोग प्रदान करती रही। जब ग्राम विकास प्रभाग का गठन हुआ तो उन्हें ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा का कार्यभार सौंपा गया।

25 अगस्त, 2007 को दादी प्रकाशमणि के देहावसान के बाद उन्हें मैनेजमेंट कमेटी के सदस्या के रूप में भी जिम्मेदारी दी गयी। जिससे वे संस्थान के प्रबन्धन गतिविधियों में शामिल रही। इसके साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश का जोन इंचार्ज भी बनाया गया। वे पिछले तीन वर्षों से अस्वस्थ चल रही थी। अंतत: 7 सितम्बर, 2016 को अपने नश्वर शरीर का त्याग कर दिया।

ग्लोबल के निशुल्क चिकित्सा शिविर का शताब्दी समारोह

शिव आमंत्रण ■ भीनमाल

राजस्थान के भीनमाल सेवाकेंद्र पर ग्लोबल नेत्र संस्थान आबूरोड के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क चिकित्सा शिविर का शताब्दी समारोह मनाया गया। ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ प्रताप मिड्ढ़ा, ग्लोबल नेत्र संस्थान के आई केयर प्रबंधक डॉ दिनेश सिंह, नेत्र सर्जन डॉ सीता लाड, क्षेमकारी माता ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार सिंह ओपावत, एडवोकेट किस्तुरचंद चौपड़ा, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गीता ने दीप प्रज्ज्वलन कर इस समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 9वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि भी अर्पित की गई। वहीं सदस्यों ने तन की बीमारी के साथ मन की बिमारियों को ठीक करने के लिए राजयोग सिखने का आहवान किया। इस अवसर पर आई केयर मैनेजर डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि से प्रेरित होकर मैं इस ईश्वरीय सेवा में

शोभा यात्रा द्वारा ईश्वरीय संदेश

शिव आमंत्रण, शाजापुर। मध्यप्रदेश शाजापुर में केंद्रीय मंत्री माखन सिंह चौहान, सांसद मनोहर उंटवाल, विधायक अरूण भीमावत, कलेक्टर राजीव शर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामवीर सिकवार समेत कई धकारियों ने स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके प्रतिभा, बीके चंदा, बीके पुष्पा को शॉल ओढाकर एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

वहीं संस्थान के सदस्यों को निलकंठेश्वर महादेव की शाही सवारी में बिठाते हुए शहर में शोभा यात्रा निकाली गई जहां संस्थान के सदस्यों ने सभी लोगों को परमात्मा शिव अवतरण का दिव्य संदेश दिया। साथ ही उन्होंने जल्द ही नई सतयुगी दुनिया में चलने के लिए स्वयं के कर्मों को श्रेष्ठ बनाने पर बल दिया। इस शोभा यात्रा में उपस्थित सभी जनों को ईश्वरीय संदेश प्राप्त हुआ।

मंदसौर मे सद्भावना रैली

शिव आमंत्रण, मंदसौर। मध्यप्रदेश के मंदसौर सेवाकेंद्र द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं के लिए सद्भावना रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने युवाओं का उमंग उत्साह बढाते हुए विद्यार्थी जीवन में मन की एकाग्रता के लिए मेडिटेशन जरूरी बताया।

श्रम आयुक्त मेघना भट्ट, पार्षद निरांत बग्गा, भाजपा जिला महिला अध्यक्ष बिंदु चंद्रे, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके स्मिता द्वारा सद्भावना रैली का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अतिथियों द्वारा सद्भावना रैली का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। ये रैली सेवाकेंद्र से जिला चिकित्सालय पहुंची तथा वहां सभी वार्ड के मरीजों को फल एवं ज्ञान वर्धक साहित्य प्रदान किया। वहीं परिसर में युवाओं ने नशा मुक्ति के लिए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। इस रैली में सभी युवाओं ने बढ़ चढकर हिस्सा लिया। और शहर में निकाली गई इस रैली द्वारा अनेकों लोगों को ईश्वरीय संदेश भी दिया गया।

सूचना

पाठकों की विशेष मांग पर शिव आमंत्रण मासिक समाचार पत्र को और बेहतर बनाने के लिए अब इसे चार से बढ़ा कर छह पृष्ठ का कर दिया गया है। अब इसमें और भी जानकारियां, खबरें तथा आत्मोन्नति की सामग्री उपलब्ध होगी। इसका वार्षिक मूल्य 90 रूपए होगा। - संपादक

स्लम एरिया के पे सेंटर स्कूल में दिव्य संस्कार पुनरोत्थान कार्यक्रम

शिव आमंत्रण ■ केशोद

गुजरात के केशोद सेवाकेंद्र द्वारा स्लम एरिया के श्री वासावाडी पे सेंटर स्कूल में दिव्य संस्कार पुनरोत्थान प्रोजेक्ट के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीके ललित ने कहा कि आज मनुष्य को शस्त्रों की नहीं बल्कि शास्त्रों की आवश्यकता है। श्रेष्ठ समाज के निर्माण के लिए श्रेष्ठ मूल्यों को धारण करने पर उन्होने बल दिया। अंत में बच्चों को उपयोगी वस्तुएं भेंट की गई।
कार्यक्रम का शुभारंभ माउंट आबू से चार्टर्ड अकाउंटेंट बीके ललित, तालुका विकास अधिकारी राजू उनडकड, नगरपालिका प्रमुख लाभु पिपलिया, बिल्डर विरम, केशोद सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूपा समेत कई सदस्यों ने दीप जलाकर किया।

सेवाकेंद्र द्वारा स्वच्छता अभियान

शिव आमंत्रण, कथुआ। जम्मू कश्मीर के कथुआ सेवाकेंद्र द्वारा सेवाकेंद्र से ओल्ड एज होम तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस स्वच्छता अभियान मे सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वीना, बीके मनु, बीके पल्लवी, बीके ज्योति, पूर्व प्राचार्य ताजिंदर सिंह समेत 15 से 18 साल तक के संस्थासे जुडे लोगों ने बढ चढ़ कर हिस्सा लिया।

जीवन जीने के गुर सिखाए, शिक्षकों का किया सम्मान

मुरादाबाद पकबड़ा चामुण्डा देवी सरस्वती शिशु बाल विद्या मंदिर में शिक्षक दिवस पर बीके बहिनों की ओर से बच्चों तथा शिक्षकों को जीवन जीने के मूल मंत्र बताए गए। इस अवसर पर शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। प्रिंसिपल अशोक श्रीवंशी, बीके राखी व अन्य बहनों ने भी विचार व्यक्त किए।

डीग के मैदान में यात्रा मेला

राष्ट्रीय गान के साथ एन सी सी कैडेट्स ने ध्वज को सलामी दी

आध्यात्म व विज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू

शिव आमंत्रण, भरतपुर। राजस्थान के डीग नगर पालिका द्वारा डीग के मेला मैदान में श्री जवाहर प्रदर्शनी एवं यात्रा मेले का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष रूप से बीके बहनों को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर डॉ. स्वामी कौशल किशोर दास महाराज, भरतपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता, लक्ष्मण मंदिर के अध्यक्ष श्री महंत मुरारी लाल शर्मा, उडिया बाबा, एस डी एम मेला अधिकारी दुलीचंद मीणा, नगर पालिका अध्यक्षा मोनिका माथुरिया समेत कई विशिष्ट लोग शामिल थे। इस अवसर पर बीके बबिता ने ईश्वरीय गीत के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। वहीं बीके बहनों द्वारा राष्ट्रीय गान के साथ साथ एन सी सी कैडेट्स द्वारा ध्वज को सलामी दी। डॉ. स्वामी कौशल किशोर दास महाराज ने मेले के दौरान कहा कि आध्यात्म और विज्ञान एक सिक्के के दो पहलू हैं। बीके कविता ने कहा कि इस मेले को सार्थक बनाने के लिए हमें नकारात्मक भावनाओं से मुक्त होकर परस्पर सहयोगी बनना

यात्रा मेले मे बोलती बीके कविता।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

नैरोबी सेंटर पर 8 दिवसीय रिट्रीट

शिव आमंत्रण, नैरोबी। अफ्रीका में नैरोबी रिट्रीट सेंटर पर 8 दिवसीय रिट्रीट का आयोजन किया गया। जिसमें रशिया से बीके सुधा ने 7 सिक्रेट्स अफ हेल्थ विषय पर उपस्थित महिलाओं से चर्चा की। ऐसे ही हारमनी इन रिलेशनशिप विषय पर भी बीके सुधा ने प्रकाश डाला और दैवी गुणों की धारणा द्वारा संबधों को मधुर बनाने की बात कही। केनिया, मोरिशियस, साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे से आए कई स्टूडेंट्स ने भी इस कार्यक्रम का लाभ लिया। ऐसे ही सेवाकेंद्र पर संस्था के सदस्यों के लिए कई सेशंस रखे गए। जिसमें रोलस एंड रिसपोन्सिबिलिटी, एप्रीशिएटिंग माई लाईफ ड्रामा, इन्वायरमेंट गॉड एंड राइटिंग टू गॉड समेत कई विषयों पर जानकारी दी गई। इस मौके पर बीके वेदांती ने सभी बीके सदस्यों से गॉड को लेटर लिखने एवं परमात्मा के साथ सर्व संबंध जोडने के लिए कई युक्ति यां सिखाई। वहीं केनिया ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन में बीके सुधा ने रिश्तों में मधुरता लाने के लिए स्वयं के विचारों को पोजिटिव बनाने की बात कही। ऐसे ही ट्रॉपिकल हीट के मैनेजमेंट स्टाफ के लिए भी हारमनी इन रिलेशनशिप विषय पर बीके सुधा ने चर्चा की।

गीत से बच्चों का लोगों को स्वच्छता संदेश

शिव आमंत्रण, गिनियार। इंडोनेशिया में गिनियार के स्टेट पार्क में स्वच्छता पर बच्चों ने कार्यक्रम किया। गिनियार सेवाकेन्द्र के युवा प्रभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए गीत गाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति संदेश दिया। इस अवसर पर सेवाकेन्द्र प्रभारी भी उपस्थित थी।

बीके जयंती का जपान दौरा

शिव आमंत्रण, टोक्यो। जापान क्योटो की डोशिशा यूनिर्वसिटी में यूरोप सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके जयंती ने बिजनेस स्कूल की निदेशिका मैरी लिजूका, दाईवा इंस्टीट्यूट की चीफ रिसर्चर मारिको कवागुची से मुलाकात कर संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं माइंडफुलनेस मेडिटेशन पर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान बीके जयंती ने मेडिटेशन से स्वयं को शक्ति शाली बनाने की बात कही। ऐसे ही टोक्यो सेवाकेंद्र पर रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां बीके जयंती ने शांति और साइलेंस की शक्ति को बढाने के लिए राजयोग मेडिटेशन जरूरी बताया। कार्यक्रम में राजयोग का अभ्यास भी कराया। जापानी मंदिर में बीके जयंती ने स्टेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड विषय पर चर्चा करते हुए राजयोग मेडिटेशन की जानकारी दी।

मलेशिया के अधिकारी सीखेंगे राजयोग

शिव आमंत्रण, कुआलालंपूर। ब्रह्माकुमारीज संस्थान मलेशिया के एशिया रिट्रीट सेंटर में द डिपार्टमेंट ऑफ नेशनल यूनिटी एण्ड इंटीग्रेशन प्रधानमंत्री विभाग के अधिकारियों ने शिरकत की। जिसमें डायरेक्टर जनरल दातो गांदेसन समेत कम से कम 12 वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। इस मौके पर मलेशिया में ब्रह्माकुमारीज के अध्यक्ष बीके लेचू ने संक्षिप्त में ब्रह्माकुमारीज के गतिविधियों की जानकारी दी। तथा मलेशिया की निदेशिका बीके मीरा ने उन्हें शुभकामनाएं दी। 3 घंटे तक हुई इस मुलाकात में ब्रह्माकुमारीज तथा द डिपार्टमेंट ऑफ नेशनल यूनिटी एण्ड इंटीग्रेशन के बीच भविष्य में समाज सेवा के लिए साथ में काम करने पर बात हुई। तथा अधिकारियों ने समय प्रति समय एशिया रिट्रीट सेंटर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी लेने की इच्छा जाहिर की। अंत में डायरेक्टर जनरल दातो गांदेसन को बीके लेचू ने ईश्वरीय सौगात दी।

मॉस्को मे मनाया गया भारत स्वतंत्रता दिन

शिव आमंत्रण, मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को मे भारत स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य मे इंडियन बिझनेस अलायंस और कई कंपनियों के संयुक्त तत्वाधान मे उमंग उत्साह के साथ डे ऑफ इंडिया 2016 का आयोजन किया गया। जिसमे संस्कृति विभाग ने भी अपना सहयोग प्रदान किया। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्यों ने भी इसमे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के मॉस्को सेवाकेंद्र द्वारा सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दी गई जिसमे देशभक्ति के गीतों की झलक और देश के प्रति अगाध प्रेम की छवी देखने को मिली। इस अवसर पर मॉस्को सेवाकेंद्र की निदेशिका बीके सुधा, इंडियन बिझनेस अलायंस के अध्यक्ष मनोज कोटवानी, ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुडे गीके विजय ने सभी को शुभकामनाएं दी। बीके सुधा ने कहा कि पावर ऑफ फेथ, डिटर्मिनेशन ऑण्ड लव्ह ही इस इवेंट की सफलता का आधार है। इस दौरान कई स्टॉल्स भी लगाए गये, राजयोग के बारे मे संक्षिप्त जानकारी भी दी गई।

Peace of Mind

डीडी फ्री डिश

DD डायरेक्ट फ्री दूरदर्शन के DTH पर GOD TV में और dishtv

पर GODTV चैनल पर भी फ्री पीस ऑफ़ माइंड चैनल शाम को 7.30 pm से 10.00pm तक देख सकते है अधिक जानकारी के संपर्क करे...

Cell: 8104 777111/ 941415 1111

पीस ऑफ माइंड चैनल विश्व का पहला ऐसा चैनल है जो मनुष्य के प्रत्येक परिस्थितियों में काम आता है। सुख दु:ख में समान रहने और मानसिक शांति एवं सदभाव बनाये रखने का ईश्वर द्वारा दिया गया अनोखा उपहार है। इसे निम्न प्लेटफार्म पर देख सकते है कही भी, कभी भी।

Tata Sky -192
Airtel - 686
Videocon -497

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।

सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर:** आरजेएचआईएन/ 2013/53539

Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307310 आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही मो. 8769830661, 9413384884
shivamantran@bkivv.org, bkkomal@gmail.com